

प्रारंभिक परीक्षा, 2022: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

1. निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये:

अशोक के प्रमुख शिलालेखों के स्थान	वह स्थान जसि राज्य में है
1. धौली	ओडिशा
2. एररगुडी	आंध्र प्रदेश
3. जौगड़ा	मध्य प्रदेश
4. कालसी	कर्नाटक

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक युग
 (b) केवल दो युग
 (c) केवल तीन युग
 (d) सभी चारों युग

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- धौली ओडीसा का एक महत्त्वपूर्ण प्रारंभिक ऐतिहासिक शहरी केंद्र है। धौली में पाए गए पुरातात्विक अवशेषों ने इसकी प्राचीनता का पता तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व, विशेष रूप से अशोक के समय से लगाया। धौली ऐतिहासिक महत्त्व का है क्योंकि सम्राट अशोक के प्रसिद्ध शिलालेखों में से एक यहाँ स्थित है। अतः युग 1 सही सुमेलित है।

<https://magazines.odisha.gov.in/Orissareview/july2006/engpdf/49-53.pdf>

- 2013 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले में गूटी-पाथकिंडा रोड पर एररगुडी के पास अशोक रॉक एडिक्ट साइट की सुरक्षा पर जोर दिया। अतः युग 2 सही सुमेलित है।
 - शिलालेख मौर्य सम्राट अशोक (269-231 ईसा पूर्व) की महत्त्वपूर्ण संपदाओं में से एक थे, जिनमें वृहद् और छोटे शिलालेख शामिल हैं।

<https://www.thehindu.com/news/national/andhra-pradesh/asi-to-develop-ashoka-rock-site-as-tourist-spot/article4766897.ece>

- जौगड़ा एक प्राचीन कला है जो कलिंग प्रांत की मौर्य गढ़वाली राजधानी के रूप में कार्य करता था। जौगड़ा ओडिशा कोणार्जम ज़िले में बेरहामपुर और पुरुषोत्तमपुर शहरों के निकट स्थित है।
 - जौगड़ा ओडिशा एक अन्य स्थान है जहाँ अशोक का वृहद् शिलालेख मौजूद है, इसे कलिंग शिलालेख भी कहा जाता है। अतः युग 3 सुमेलित नहीं है।

<https://odishatourism.gov.in/content/tourism/en/blog-details.html?url=jaugada-Ashokan-major-rock-edict-in-odisha>

- जब अशोक ने बौद्ध धर्म को अपनाया उस दौरान कालसी स्थित शिलालेख में युद्ध के बाद अशोक के मानवीय दृष्टिकोण को लपिबिद्ध किया गया। कालसी उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के बीच बफर ज़ोन में स्थित है। अतः युग 4 सुमेलित नहीं है।

<https://timesofindia.indiatimes.com/travel/uttarakhand/kalsi/ps36300328.cms>

अतः विकल्प (b) सही है।

<https://www.drishtias.com/to-the-points/paper1/mauryan-art-and-architecture-part-1>

2. निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये:

राजा	राजवंश
1. नानुक्	चंदेल
2. जयशक्ति	परमार
3. नागभट द्वितीय	गुर्जर-प्रतहार
4. भोज	राष्ट्रकूट

उपर्युक्त युगों में से कितने सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक युग
(b) केवल दो युग
(c) केवल तीन युग
(d) सभी चारों युग

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- चांदला या चंदेल मध्य भारत का एक भारतीय राजपूत वंश था। उन्हें भारतीय इतिहास में लोकप्रिय रूप से चंदेल या जेजाकभुक्त वंश कहा जाता था।
- महोबा खंड के कविदंतियों के अनुसार, चंदेल परिवार की उत्पत्ति चंद्रमा (हिंदी में चंद्र कहा जाता है) और हेमवती के मलिन से हुई थी।
- 954 ई. के खजुराहो शिलालेखों के अनुसार, चंदेल वंश के प्रथम राजा नानुक् ऋषि चंद्रतरेय के वंशज थे जो प्रसिद्ध वैदिक ऋषि अत्रि के पुत्र थे। अतः युग 1 सही सुमेलित है।

<https://mahoba.nic.in/history/>

CHANDELA DYNASTY CHRONOLOGY		
RULER	RULING PERIOD	DESCRIPTION
Nanuka	835 - 845 CE	Founder of Chandela dynasty. Ruler of Khajuravatika, feudatory of Gujara-Pratihara
Vakpati	845 - 865 CE	Ruler of Khajuravatika, feudatory of Gujara-Pratihara
Jayashakti & Vijayashakti	865 - 885 CE	Ruler of Khajuravatika, feudatory of Gujara-Pratihara
Rahila	885 - 905 CE	Ruler of Jijakbhukti, feudatory of Gujara-Pratihara
Shri Harshadev	905 - 925 CE	Ruler of Jijakbhukti, feudatory of Gujara-Pratihara

- जयशक्तिका संबंध चंदेल वंश से था न किपरमार वंश से। अतः युग 2 सुमेलित नहीं है।

<https://www.khajuraho-india.org/chandela-dynasty.html>

- गुर्जर-प्रतहार राजवंश, मध्ययुगीन भारत के दो हट्टी राजवंशों में से एक था। हरचिंद्र के वंशजों ने 6वीं से 9वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान, आमतौर पर सामंत के दर्जे के साथ, मंडोर, मारवाड़ (जोधपुर, राजस्थान) में शासन किया। 8वीं से 11वीं शताब्दी के दौरान नागभट्ट वंश ने पहले उज्जैन और बाद में कन्नौज में शासन किया। अन्य गुर्जर वंश मौजूद थे, लेकिन उन्होंने प्रतहार उपनाम ग्रहण नहीं किया।

- 9वीं शताब्दी की शुरुआत में हुए जटलि युद्धों - जसिमें प्रतहार, राष्ट्रकूट और पाल शामिल थे - में नागभट्ट द्वितीय ने एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- नागभट्ट द्वितीय उत्तर भारत का सबसे शक्तिशाली शासक बना और कन्नौज में अपनी नई राजधानी स्थापित की। लगभग 833 ई. में नागभट्ट द्वितीय का उत्तराधिकारी उसका पुत्र रामभद्र था। **अतः युग 3 सही सुमेलित है।**

<https://www.britannica.com/topic/Gurjara-Pratihara-dynasty>

- महिरि भोज परमार वंश का राजा था। **अतः युग 4 सुमेलित नहीं है।**

<https://dhar.nic.in/en/bhojshala/>

3. प्राचीन दक्षिण भारत में संगम साहित्य के बारे में, निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक, सही है?

- (a) संगम कवित्तों में भौतिक संस्कृतिका कोई सन्दर्भ नहीं है।
- (b) वर्ण का सामाजिक वर्गीकरण संगम कवित्तों को ज्ञात था।
- (c) संगम कवित्तों में समर शौर्य का कोई सन्दर्भ नहीं है।
- (d) संगम साहित्य में जादुई ताकतों को असंगत बताया गया है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- संगम साहित्य के रूप में जानी जाने वाली कवित्तों का संग्रह छह शताब्दियों में लगभग 300 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी तक तमिलों द्वारा विविध सामाजिक पृष्ठभूमि में निर्मित किया गया था।
 - ये कृतियाँ आरंभिक तमिल संस्कृतिके साथ-साथ दक्षिण भारत और भूमध्यसागरीय, पश्चिमि एशिया तथा दक्षिण पूर्व एशिया के बीच व्यापार संबंधों पर प्रकाश डालती हैं।
- आरंभिक भारतीय साहित्य में संगमकालीन लेखन संभवतः अद्वितीय है, जो लगभग पूरी तरह से धार्मिक है। इसकी कवित्तों दो मुख्य विषयों से संबंधित हैं: **पहले पाँच संग्रह प्रेम (अकम) पर आधारित हैं और अगले दो संग्रह वीरता (पुरम) पर आधारित हैं,** जसिमें राजाओं की प्रशंसा और उनके द्वारा किये गए कार्य शामिल हैं।
 - कई कवित्तों विशेष रूप से वीरता (योद्धा नैतिकता से संबंधित), ऊर्जावान और उत्साह प्रदर्शित करती हैं तथा भारत के अन्य प्रारंभिक एवं मध्यकालीन साहित्यों की तुलना में साहित्यिक अतिशयोक्ति से पूरी तरह मुक्त हैं।
 - नायकों और संरक्षकों की प्रशंसा वाला बर्दिक साहित्य होने के कारण समाज और अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर इसकी चिन्ता स्वाभाविक थी।

https://en.unesco.org/silkroad/sites/default/files/knowledge-bank-article/sangam_literature_as_a_source_of_evidence_on_indias_trade_with_the.pdf

- संगम साहित्य पवित्र या जादुई शक्तियों में एक विश्वास को दर्शाता है जसिसे **अनकू** कहा जाता है जो विभिन्न वस्तुओं में रहने वाले थे।

<http://surl.li/cdrpp>

- "संगम" साहित्य किसी विशेष सामाजिक या धार्मिक समूह का उत्पाद नहीं है और न ही इसे किसी शासक अभिजात वर्ग द्वारा दरबारी साहित्य के रूप में प्रायोजित किया गया था।
 - लगभग 600 वर्षों की लंबी अवधि में विभिन्न समय बंदियों पर रचित और विभिन्न स्तरों के व्यक्तियों - राजकुमारों, सरदारों, किसानों, व्यापारियों, कुम्हारों, लुहारों, बढई और ब्राह्मणों, जैन एवं बौद्धों द्वारा लिखित, कवित्तों विभिन्न सामाजिक समूहों से संबंधित हैं। (अतः वर्ण का सामाजिक वर्गीकरण ज्ञात था)।

<https://www.britannica.com/art/shangam-literature>

- अतः विकल्प (b) सही है।

<https://www.drishtias.com/to-the-points/paper1/sangam-age-1>

4. किसके राज्यकाल में “योगवाशिष्ठ” का नज़ामुद्दीन पानीपत द्वारा फ़ारसी में अनुवाद किया गया?

- (a) अकबर
- (b) हुमायूँ
- (c) शाहजहाँ
- (d) औरंगजेब

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय उपमहाद्वीप के एक वशिष्ठ ऐतिहासिक काल के दौरान मुस्लिम और हिंदू बुद्धिजीवियों ने सह-अस्तित्व, संवाद और एक दूसरे की नकटवर्ती उपस्थितियों को समझा।
- उसी समय अनुवाद टीम के प्रयासों के परिणाम **संस्कृत लघुयोग वसिष्ठ** को फारसी योग बशिष्ठ के रूप में प्रस्तुत करने से महानगरीय इंडो फारसी दरबारी संस्कृत को महत्त्वपूर्ण योगदान मिला, जो तत्कालीन सम्राट अकबर के प्रोत्साहन के तहत मुगल दरबार में विकसित हुई थी।
- यह एक ऐसी संस्कृति थी जिसका उद्देश्य मुसलमानों, हिंदुओं और अन्य धार्मिक समूहों के योगदान को एक साथ संश्लेषित करना था।
- सबसे पहले इन अनुवादों को सम्राट जहाँगीर द्वारा व्यक्तिगत रूप से अधिकृत किया गया जिससे योग बशिष्ठ के रूप में जाना जाता है, इसे 1597 ईस्वी में तीन सहयोगी अनुवादकों की टीम द्वारा पूरा किया गया था: जिसमें मुस्लिम दरबार के विद्वान नज़ामुद्दीन पानीपत और हिंदू पंडित जगन्नाथ मशिर बनारसी तथा पठान मशिरा जाजीपुरी शामिल थे।

अतः विकल्प (a) सही है।

<https://library.oapen.org/bitstream/id/4018c47c-610c-4597-8692-7dd9c29643a5/translating-wisdom.pdf>

5. हाल ही में हैदराबाद में भारत के प्रधान मंत्री द्वारा रामानुज की आसन मुद्रा में विश्व की दूसरी सबसे ऊँची मूर्तिका उद्घाटन किया गया था। निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक, रामानुज की शक्तियों को सही नरूपित करता है?

- (a) मोक्ष प्राप्ति का सर्वोत्तम साधन भक्ति था।
- (b) वेद शाश्वत, आत्म-प्रतिष्ठिति तथा पूर्णतया प्रामाणिक हैं।
- (c) तर्कसंगत युक्तियाँ सर्वोच्च आनंद के मौलिक माध्यम थे।
- (d) ध्यान के माध्यम से मोक्ष पाया जा सकता था।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- रामानुज का जन्म ग्यारहवीं शताब्दी में तमलिनाडु में हुआ था। वे वशिष्ठभक्त अलवार संतो से बहुत प्रभावित थे। उनके अनुसार **मोक्ष प्राप्ति करने का उपाय वशिष्ठ के प्रति अनन्य भक्ति भाव** रखना है।
 - भगवान वशिष्ठ की कृपा दृष्टि से भक्त उनके साथ एकाकार होने का परमानंद प्राप्त कर सकता है।
- रामानुज ने वशिष्ठताद्वैत के सिद्धांत को प्रतिपादित किया, जिसके अनुसार आत्मा, परमात्मा से जुड़ने के बाद भी अपनी अलग सत्ता बनाए रखती है।
 - रामानुज के सिद्धांत ने भक्ति की नयी धारा को बहुत प्रेरित किया, जो परवर्ती काल में उत्तरी भारत में विकसित हुई।
- अतः विकल्प (a) सही है।

<https://ncert.nic.in/ncerts/gess108.pdf>

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/philosopher-saint-ramanujacharya>

6. हाल ही में, प्रधान मंत्री ने वेरावल में सोमनाथ मंदिर के नकित नए सर्कटि हाउस का उद्घाटन किया। सोमनाथ मंदिर के बारे में नमिनलखिति कथनों में कौन-से सही हैं?

1. सोमनाथ मंदिर ज्योतरिलिगि देव-मंदरिों में से एक है।
2. अल-बरूनी ने सोमनाथ मंदिर का वर्णन किया है।
3. सोमनाथ मंदिर की प्राण-प्रतषिठा (आज के मंदिर की स्थापना) राष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन द्वारा की गई थी।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सोमनाथ मंदिर गुजरात राज्य में भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमी में अरब सागर के तट पर स्थित है।
- श्री सोमनाथ भारत के बारह आदि ज्योतरिलिगिों में प्रथम हैं। अतः कथन 1 सही है।
- इसका उल्लेख अरब यात्री अल-बरूनी ने अपने यात्रा वृत्तांत में किया था, जिससे प्रभावित होकर महमूद गजनवी ने 1024 ई. में अपने पाँच हज़ार सैनिकों के साथ सोमनाथ मंदिर पर हमला कर दिया और उसकी संपत्तिलूट ली साथ ही मंदिर को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। अतः कथन 2 सही है।
- प्राचीन भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों पर आधारित शोध से पता चलता है कि पहली बार सोमनाथ ज्योतरिलिगि की प्राण-प्रतषिठा (आज के मंदिर की स्थापना), वैवस्वत मन्वन्तर के दसवें त्रेता युग के दौरान श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को किया गया था।
- 13 नवंबर, 1947 को सोमनाथ मंदिर के दर्शन करने वाले सरदार पटेल के संकल्प के साथ आधुनिक मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था। 11 मई, 1951 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मौजूदा मंदिर में प्राण-प्रतषिठा की थी। अतः कथन 3 सही नहीं है।

<https://somnath.org/Home/Somnath-Darshan>

[Somnath temple information \(indiatourismguide.org\)](http://Somnath temple information (indiatourismguide.org))

7. नमिनलखिति कथनों में कौन-सा एक, मानव शरीर में B कोशिकाओं और ज् कोशिकाओं की भूमिका का सर्वोत्तम वर्णन है?

- (a) वे शरीर को पर्यावरणीय प्रत्यूजकों (एलर्जनों) से संरक्षित करती हैं।
- (b) वे शरीर के दर्द और सूजन का अपशमन करती हैं।
- (c) वे शरीर के प्रतरिक्षा-नरीधकों की तरह काम करती हैं।
- (d) वे शरीर को रोगजनकों द्वारा होने वाले रोगों से बचाती हैं।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- प्राथमिक और द्वितीयक प्रतरिक्षा अनुक्रियाएँ हमारे शरीर के रक्त में मौजूद दो विशेष प्रकार के कोशिकाओं द्वारा होती हैं। ये कोशिकाएँ हैं B-कोशिकाएँ और T-कोशिकाएँ।
- रोगजनकों की अनुक्रिया में B-कोशिकाएँ हमारे रक्त में प्रोटीनों की एक शृंखला उत्पन्न करती हैं ताकि वे रोगजनकों से लड़ सकें। ये प्रोटीन प्रतरिक्षी (एंटीबायोटिक्स) कहलाती हैं। T-कोशिकाएँ स्वयं तो प्रतरिक्षियों का श्रावण नहीं करती, लेकिन प्रोटीन उत्पन्न करने में B-कोशिकाओं की सहायता करती हैं।
- अतः विकल्प (d) सही है।

<https://ncert.nic.in/ncerts/l/lebo108.pdf>

8. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. परासूक्ष्मकण (नैनोपार्टिकल्स), मानव-नरिमति होने के सविय, प्रकृतमें असततिव में नहीं हैं ।
2. कुछ धात्वकि ऑक्साइडों के परासूक्ष्मकण, प्रसाधन-सामग्री (कॉस्मेटिक्स) के नरिमाण में काम आते हैं ।
3. कुछ वाणज्यिकि उत्पादों के परासूक्ष्मकण, जो पर्यावरण में आ जाते हैं, मनुष्यों के लिए असुरक्षति हैं ।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 3
(c) 1 और 2
(d) 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- परासूक्ष्मकण (नैनोपार्टिकल्स) पर्यावरण में प्राकृतिक रूप से बड़ी मात्रा में पाए जाते हैं । ये प्रकृतमें मौजूद हैं और मानवीय गतविधियों के परणामस्वरूप भी नरिमति होते हैं । अतः कथन 1 सही नहीं है ।
- प्रसाधन उद्योग द्वारा सौंदर्य प्रसाधन, सनस्क्रीन, एंटी-एजिंग क्रीम, मॉइस्चराइज़र और परफ्यूम में सक्रिय घटकों के उचति प्रदर्शन तथा जैव उपलब्धता के लिये नैनोकणों को वकिसति कर नैनो तकनीक का लाभ लिया जा रहा है ।
- सौंदर्य प्रसाधन वभिन्न प्रकार के धातु एवं धातु ऑक्साइड नैनोकणों जैसे सलिवर नैनोपार्टिकल्स (AgNPs), गोलड नैनोपार्टिकल्स (AuNPs) एवं टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स (TiO₂ NPs), जकि ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स, (ZnO NPs), आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल्स (Fe₂O₃ NPs) और कार्बन-आधारति NPs [16–18] का उपयोग करके तैयार कयि जाते हैं ।
 - टाइटेनियम डाइऑक्साइड (TiO₂), जकि ऑक्साइड (ZnO) जैसे नैनोकणों का अत्यधिक उपयोग कयि जाता है, क्योकयि नैनोकण गैर-तैलीय होते हैं और आसानी से अवशोषति हो जाते हैं ।
 - TiO₂ अनविर्य रूप से यूवी फलितर (UVA और UVB फलितर) है इसलिये व्यापक रूप से सनस्क्रीन और मॉइस्चराइज़र में भी इसका उपयोग कयि जाता है । अतः कथन 2 सही है ।
- मनुष्य प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले अधकिंश नैनोकणों से नपिटने में सक्रम है । हालाँककि कुछ नैनोकणों जो मानवीय गतविधियों जैसे- तंबाकू धूम्रपान और अग्ना के परणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं, फेफड़ों की क्षति के कारण होने वाली मौतों के लिये ज़मिेदार हैं । अतः कथन 3 सही है ।

[Nanotechnology in cosmetics pros and cons - IOPscience](#)

[nanoparticle - Nanoparticles in the environment | Britannica](#)

<http://surl.li/cdrri>

9. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

DNA बारकोडगि कसिका उपसाधन हो सकता है?

1. कसिी पादप या प्राणी की आयु का आकलन करने के लिये
2. समान दखिने वाली प्रजातयिों के बीच भन्निता जानने के लिये
3. प्रसंसकृत खाद्यपदार्थों में अवांछति प्राणी या पादप सामग्री को पहचानने के लिये

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1

(b) केवल 3

(c) 1 और 2

(d) 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- परमाणु या ऑर्गेनेल जीनोम से लघु DNA अनुक्रमों का उपयोग कर जैविक प्रतदिर्शों की पहचान करने की नई तकनीक को DNA बारकोडिंग कहा जाता है।
- DNA बारकोडिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कई अनुप्रयोग हैं जैसे प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना, लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा करना, कृषि कीटों को नियंत्रित करना, रोग वैक्टर की पहचान करना, पानी की गुणवत्ता की निगरानी करना, प्राकृतिक स्वास्थ्य उत्पादों का प्रमाणीकरण और औषधीय पौधों की पहचान करना।
- लुप्तप्राय वन्यजीवों की प्रजातियों की पहचान (एक जैसी दिखने वाली प्रजातियों के बीच अंतर), कीट संगरोध और रोग वाहक (अवांछनीय जानवरों / पौधों की पहचान करना) कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें DNA बारकोडिंग शोधकर्ताओं, प्रवर्तन एजेंटों और उपभोक्ताओं हेतु बहुत कम समय-सीमा में नरिण्य लेती है। अतः कथन 2 और 3 सही हैं, अतः विकल्प (d) सही है।

<https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S0958166913006721>

<http://pnrsolution.org/Datacenter/Vol3/Issue2/291.pdf>

10. नमिनलखिति पर वचिर कीजयि:

- कार्बन मोनोक्साइड
- नाइट्रोजन ऑक्साइड
- ओज़ोन
- सल्फर डाइऑक्साइड

वातावरण में उपरयुक्त में से कसिकी/कनिकी अधकित्त होने से अम्ल वरूषा होती है?

(a) 1, 2 और 3

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 4

(d) 1, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अम्ल वरूषा मानवीय क्रयिकलापों का उपोत्पाद होती है, जो वातावरण में नाइट्रोजन तथा सल्फर के ऑक्साइड नरिगमति करती है। जैसा पूरव में बताया जा चुका है, जीवाश्म-ईधन (जैसे- कोयला, शक्ति-संयंत्रें, भट्टयिों तथा मोटर इंजनों में डीजल और पेट्रोल, (जसिमें सल्फर तथा नाइट्रोजन पदारथ होते हैं) के दहन पर सल्फर डाइऑक्साइड तथा नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्पन्न होते हैं।
- SO₂ तथा NO₂ ऑक्सीकरण के पश्चात् जल के साथ अभक्रिया करके अम्लवरूषा में प्रमुख योगदान देते हैं, क्योंकि प्रदूषति वायु में सामान्यतः कणकीय द्रव्य उपस्थति होते हैं, जो ऑक्सीकरण को उत्प्रेरति करते हैं।
- $2SO_2(g) + O_2(g) + 2H_2O(l) \rightarrow 2H_2SO_4(aq)$
- $4NO_2(g) + O_2(g) + 2H_2O(l) \rightarrow 4HNO_3(aq)$
- अतः विकल्प (b) सही है।

<https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kech207.pdf>

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/sulphur-dioxide-emissions-from-caribbean->

11. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. उच्च मेघ मुख्यतः सौर विकिरण को परावर्तित कर भूपृष्ठ को ठंडा करते हैं।
2. भूपृष्ठ से उत्सर्जित होने वाली अवरक्त विकिरणों का नमिन मेघ में उच्च अवशोषण होता है, और इससे तापन प्रभाव होता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- बादल जहाँ बनते हैं उसी स्थान पर उनका अध्ययन और उनकी वशिषताएँ, जलवायु परविरतन संबंधी ज्ञान में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाती हैं। कम, घने बादल मुख्य रूप से सौर विकिरण को दर्शाते हैं और पृथ्वी की सतह को ठंडा करते हैं। उच्च, पतले बादल मुख्य रूप से आने वाले सौर विकिरण को संचारित करते हैं; साथ ही, वे पृथ्वी द्वारा उत्सर्जित कुछ नविरतमान अवरक्त विकिरणों में फंस जाते हैं और इसे वापस नीचे की ओर विकीर्ण कर देते हैं, जिससे पृथ्वी की सतह गर्म हो जाती है। **अतः दोनों कथन सही नहीं हैं।**

<https://earthobservatory.nasa.gov/features/Clouds>

12. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. उत्तरी-पश्चिमी केन्या में बीडीबीडी एक वृहद् शरणार्थी बस्ती है।
2. दक्षिण सूडान गृह युद्ध से पलायन किए हुए कुछ लोग बीडीबीडी में रहते हैं।
3. सोमालिया के गृह युद्ध से पलायन किए हुए कुछ लोक केन्या के ददाब शरणार्थी संकुल में रहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 2 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- बीडीबीडी शरणार्थी बस्ती, उत्तर-पश्चिमी युगांडा में एक शरणार्थी शविरि है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- गृहयुद्ध के कारण 270,000 से अधिक दक्षिण सूडानी शरणार्थी देश से पलायन कर चुके हैं, वर्ष 2017 की शुरुआत में बीडीबीडी वशि्व की सबसे बड़ी शरणार्थी बस्ती थी। **अतः कथन 2 सही है।**

<https://reliefweb.int/report/uganda/ugandas-bidibidi-refugee-settlement-benefit-iom-and-innovation-norways-electronic-waste->

- केन्या में ददाब शरणार्थी संकुल में शरणार्थी लोग रहते हैं। इसमें तीन शिविर शामिल हैं। पहला शिविर वर्ष 1991 में स्थापित किया गया था, जब सोमालिया में गृहयुद्ध से भागे शरणार्थियों ने केन्या में सीमा पार करना शुरू किया। वर्ष 2011 में दूसरी अधिकतम शरणार्थी संख्या यहाँ आई जब कुछ शरणार्थी दक्षिणी सोमालिया में सूखे और अकाल के चलते भागकर यहाँ आए। **अतः कथन 3 सही है।**

<https://www.unhcr.org/ke/dadaab-refugee-complex>

13. नमिनलखित देशों पर वचिार कीजयि:

1. आरमीनयिा
2. अज़रबैजान
3. क्रोएशयिा
4. रोमानयिा
5. उज़्बेकसि्तान

उपरयुक्त में कौन-से तुर्की राज्यों के संगठन के सदस्य हैं?

- (a) 1, 2 और 4
- (b) 1 और 3
- (c) 2 और 5
- (d) 3, 4 और 5

उत्तर: (C)

व्याख्या:

- तुर्की राज्यों के संगठन (तत्कालीन तुर्की भाषी राज्यों की सहयोग परिषद- जिसे तुर्की परिषद कहा जाता है) को वर्ष 2009 में एक अंतर-सरकारी संगठन के रूप में स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य तुर्क राज्यों के बीच व्यापक सहयोग को बढ़ावा देना था।
- इसके चार संस्थापक सदस्य राज्य अजरबैजान, कजाकसि्तान, करिगसि्तान और तुर्की है।
- अक्टूबर 2019 में बाकू में आयोजित 7वें शखिर सम्मेलन के दौरान उज़्बेकसि्तान पूर्ण सदस्य के रूप में इसमें शामिल हुआ।
- सितंबर 2018 में करिगज़ि गणराज्य के चोलपोन-अता (Cholpon-Ata) में इसके छठे शखिर सम्मेलन के दौरान हंगरी को संगठन में पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त हुआ।
- हाल ही में नवंबर 2021 में आयोजित 8वें शखिर सम्मेलन में, तुर्कमेनसि्तान संगठन के पर्यवेक्षक सदस्य के रूप में शामिल हुआ। आरमेनयिा, क्रोएशयिा और रोमानयिा तुर्क राज्यों के संगठन के सदस्य नहीं हैं। **अतः विकल्प (c) सही है।**

<https://www.turkkon.org/en/turk-konseyi-hakkinda>

14. नमिनलखित कथनों पर वचिार कीजयि:

1. गुजरात में भारत का वशिलतम सौर पार्क है।
2. केरल में पूर्णतः सौर शक्तकित अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।
3. गोआ में भारत की वशिलतम तैरती हुई सौर प्रकाश-वोल्टीय परयोजना है।

उपरयुक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2

(c) 1 और 3

(d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत का भादला सोलर पार्क विश्व का सबसे बड़ा सोलर पॉवर पार्क है। भादला सोलर पार्क राजस्थान के सूखे तथा रेतीले क्षेत्र में स्थित है और 14,000 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है। पार्क में 10 मिलियन से अधिक सौर पैनल हैं, जो 2245MW वदियुत उत्पादन क्षमता के उत्पादन योगदान देते हैं। अतः कथन 1 सही नहीं है।

<https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/worlds-largest-solar-park-in-bhadla-india/article37462665.ece>

- केरल का कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लमिटिड (CIAL) विश्व का पहला हवाई अड्डा है जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा संचालित होगा। हवाई अड्डे ने वर्ष 2015 में आधिकारिक तौर पर 12 मेगावाट की सौर परियोजना शुरू की थी। अतः कथन 2 सही है।

https://www.icao.int/environmental-protection/Documents/EnvironmentalReports/2016/ENVReport2016_pg177-177.pdf

- तेलंगाना के पेद्दापल्ली ज़िले के रामागुंडम में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन लमिटिड (NTPC) द्वारा भारत का सबसे बड़ा 100MW उत्पादन क्षमता वाला तैरता सौर ऊर्जा संयंत्र वकिसति किया जा रहा है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

<https://www.thehindu.com/news/national/telegana/indias-biggest-floating-solar-plant-to-be-commissioned-in-next-three-months/article34036031.ece>

<https://www.drishtiiias.com/state-pcs-current-affairs/two-new-solar-parks-in-jaisalmer-and-bikaner>

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/india-s-biggest-floating-solar-power-plant>

15. समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन) के सन्दर्भ में, नमिन्लखित कथनों पर वचिार कीजयि:

1. कसिी तटीय राजय को, अपने प्रादेशकि समुद्र की चौड़ाई को, आधार-रेखा से मापति, 12 समुद्री मील से अनधकि सीमा तक अभसिमय के अनुरूप सुस्थापति करने का अधकिार है।
2. सभी राज्यों के, चाहे वे तटीय हों या भू-बद्ध भाग के हों, जहाजों को प्रादेशकि समुद्र से हो कर बनिा रोक-टोक यात्रा का अधकिार होता है।
3. अनन्य आर्थकि क्षेत्र का वसितार उस आधार-रेखा से 200 समुद्री मील से अधकि नहीं होगा, जहाँ से प्रादेशकि समुद्र की चौड़ाई मापी जाती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- प्रादेशकि समुद्र की सीमा के तहत प्रत्येक राजय को अपने प्रादेशकि समुद्र के वसितार को 12 समुद्री मील से अधकि की सीमा तक स्थापति करने का अधकिार है, जसि इस अभसिमय के अनुसार नरिधारति आधार रेखा से मापा जाता है। अतः कथन 1 सही है।
- प्रादेशकि समुद्र में इनोसैंट पैसेज के तहत सभी राज्यों (चाहे वे तटीय हों या स्थलबद्ध) के जहाजों को इस अभसिमय के तहत प्रादेशकि समुद्र में मार्ग का अधकिार है। अतः कथन 2 सही है।

- इस अभिसमय के अनुसार, अनन्य आर्थिक क्षेत्र इस भाग में स्थापित विशिष्ट कानूनी व्यवस्था के अधीन प्रादेशिक समुद्र से परे और उससे सटे क्षेत्र हैं, जिसके तहत तटीय राज्य के अधिकार क्षेत्र और अन्य राज्यों के अधिकार एवं स्वतंत्रता प्रासंगिक प्रावधानों द्वारा शासित होते हैं।
- इसके तहत अनन्य आर्थिक क्षेत्र उन बेसलाइनों से 200 समुद्री मील से अधिक नहीं विस्तारित होगा जहाँ से प्रादेशिक समुद्र की चौड़ाई मापी जाती है। **अतः कथन 3 सही है।**

https://www.un.org/depts/los/convention_agreements/texts/unclos/unclos_e.pdf

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/unclos-1>

16. निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक, कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित सेंकाकू द्वीप विवाद को सर्वोत्तम रूप में प्रतबिंबित करता है?

- (a) आम तौर पर यह माना जाता है कि वे दक्षिणी चीन सागर के आसपास किसी देश द्वारा निर्मित कृत्रिम द्वीप हैं।
- (b) चीन और जापान के बीच पूर्वी चीन सागर में इन द्वीपों के विषय में समुद्री विवाद होता रहता है।
- (c) वहाँ ताइवान को अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करने के लिए एक स्थायी अमेरिकी सैन्य अड्डा स्थापित किया गया है।
- (d) यद्यपि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने उन्हें अस्वामिकि भूमि घोषित किया है, तथापि कुछ दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश उन पर दावा करते हैं।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सेनकाकू द्वीप कृत्रिम द्वीप नहीं बल्कि एक प्राकृतिक द्वीप है। यह आठ नरिजन द्वीपों का समूह है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सेनकाकू द्वीप विवाद चीन और जापान के बीच ज्ञात नरिजन द्वीपों के एक समूह पर क्षेत्रीय विवाद से संबंधित है। जापान और चीन दोनों ही इन द्वीपों के स्वामित्व का दावा करते हैं। सेनकाकू द्वीप पूर्वी चीन सागर में स्थित है। **अतः कथन 2 सही है।**
- अमेरिका ने सेनकाकू द्वीप पर स्थायी सैन्य ठिकाने स्थापित नहीं किये लेकिन अमेरिका और जापान सैन्य बलों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास किया गया है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने सेनकाकू द्वीप के संबंध में **नो मैन्स लैंड** जैसा कोई फैसला नहीं दिया है। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/senkaku-island-dispute>

17. निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिये:

देश	हाल ही में समाचारों में होने का महत्वपूर्ण कारण
1. चाड	चीन द्वारा स्थायी सैन्य बेस की स्थापना
2. गिनी	सेना द्वारा संविधान और सरकार का निलंबन
3. लेबनान	गंभीर और लंबे समय की आर्थिक मंदी
4. ट्यूनीशिया	राष्ट्रपति द्वारा संसद का निलंबन

उपर्युक्त युगों में कितने सही सुमेलित हैं?

- (a) केवल एक युग
- (b) केवल दो युग
- (c) केवल तीन युग
- (d) सभी चारों युग

उत्तर: C

व्याख्या:

- गनी में सैन्य नेताओं ने राष्ट्रपति को हरिसत में लिया और सरकार को भंग करने तथा संविधान को नलिंबति करने की घोषणा की ।

<https://www.thehindu.com/news/international/soldiers-detain-guineas-president-dissolve-government/article36307866.ece>

लेबनान: गंभीर और दीर्घकालीन आर्थिक मंदी

- लेबनान एक **आयात-नरिभर** देश है । बुरी तरह क्षतगिरस्त पोर्ट फैंसलिटी लेबनान का सबसे बड़ा समुद्री प्रवेश द्वार है तथा यह आवश्यक वस्तुओं को **महंगा** कर देगा तथा देश में **खाद्य सुरक्षा के लिये खतरा** उत्पन्न हो जाएगा ।
- लेबनान पहले से ही स्थानीय मुद्रा के तेजी से अवमूल्यन और मुद्रास्फीति, बंद होते व्यवसायों, बेरोज़गारी और गरीबी को बढ़ावा देने वाले अस्थिर वनिमिय दर के साथ एक बड़ी आर्थिक मंदी से जूझ रहा है ।
- इसने मार्च 2020 में **यूरोबॉण्ड के पुनर्भुगतान** में भी चूक की थी ।
- **ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को नलिंबति कर दिया और संसद भंग कर दी है ।**

<https://indianexpress.com/article/explained/explained-why-did-the-tunisian-president-suspend-the-prime-minister-and-dissolve-parliament-7438977/>

अतः विकल्प (c) सही है ।

18. नमिनलखिति युगों पर वचिार कीजयि:

अकसर समाचारों में उल्लखिति क्षेत्र	देश
1. अनातोलिया	तुर्की
2. अमहारा	इथियोपिया
3. काबो डेलगादो	स्पेन
4. कातालोनिया	इटली

उपर्युक्त युगों में से कतिने सही सुमेलति हैं?

- (a) केवल एक युग
- (b) केवल दो युग
- (c) केवल तीन युग
- (d) सभी चारों युग

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अनातोलिया - तुर्की
- अमहारा- इथियोपिया

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/conflict-in-ethiopia>

- काबो डेलगादो- मोजाम्बिक
- कैटेलोनिया- स्पेन

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/catalonian-unrest>

अतः विकल्प b सही है ।

19. वन्यजीव संरक्षण के बारे में भारतीय वधियों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वन्यजीव, एकमात्र सरकार की संपत्ति हैं।
2. जब किसी वन्यजीव को संरक्षित घोषित किया जाता है, तो यह जीव चाहे संरक्षित क्षेत्र में हो या उससे बाहर, समान संरक्षण का हकदार है।
3. किसी संरक्षित वन्यजीव के मानव जीवन के लिए खतरा बन जाने की आशंका उस जीव को पकड़ने या मार दिए जाने का पर्याप्त आधार है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- एक महत्वपूर्ण फैसले में बॉम्बे उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि बाघों सहित जंगली जानवरों को "सभी उद्देश्यों के लिये सरकारी संपत्ति" माना जाना चाहिये और उनके द्वारा किये गए किसी भी नुकसान की भरपाई सरकार द्वारा की जानी चाहिये। **अतः कथन 1 सही है।**

<http://archive.indianexpress.com/news/now-all-wild-animals-are-govt-property/936369/>

- जब किसी जानवर को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम (WPA), 1972 के तहत संरक्षित जानवर घोषित किया जाता है, तो उसे उसी सुरक्षा का लाभ मलिया, चाहे वह संरक्षित क्षेत्र में मौजूद हो या संरक्षित क्षेत्र के बाहर। **अतः कथन 2 सही है।**
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 11 (1) (ए) के अनुसार, यदि मुख्य वन्यजीव वार्डन संतुष्ट है कि अनुसूची 1 में नरिदष्ट कोई जंगली जानवर मानव जीवन के लिये खतरनाक हो गया है या इतना विकलांग या मृतप्राय है कि ठीक नहीं हो सकता तो ऐसे ऐसे में लिखित आदेश द्वारा और उसका कारण बताते हुए, किसी भी व्यक्ति को ऐसे जानवर का शिकार करने की अनुमति देता है। बशर्ते किसी भी जंगली जानवर को मारने का आदेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि मुख्य वन्यजीव वार्डन संतुष्ट न हो जाए कि ऐसे जानवर को पकड़ा, शांत या स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। ऐसे जानवर का जंगल में पुनर्वास नहीं किया जा सकने के कारणों को लिखित रूप में दर्ज किया जाता है। स्पष्टीकरण - खंड (ए) के परियोजनाओं के लिये इस तरह के एक जानवर को पकड़ने या स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जैसा भी मामला हो इस तरह से किया जाएगा कि उक्त जानवर को न्यूनतम आघात पहुँचे।] **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

https://legislative.gov.in/sites/default/files/A1972-53_0.pdf

<https://www.drishtias.com/to-the-points/paper3/wildlife-protection-act-wpa-1972>

20. निम्नलिखित में से किस एक जीव की कुछ प्रजातियाँ कवकों के कृषकों के रूप में जानी जाती हैं?

- (a) चींटी
- (b) कॉकरोच
- (c) केकड़ा
- (d) मकड़ी

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **चींटी** की प्रजातियों को कवक के कृषकों के रूप में जाना जाता है। कुछ अन्य कीट जैसे दीमक, भृंग और मार्श पेरिक्विल भी कवक के कृषकों के रूप में जाने जाते हैं।

अतः विकल्प A सही है।

<https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S1367593120301095>

21. भारत में, नमिनलखिति में कौन एक, उन पैक्टोरियों में जनिमें कामगार नयिक्त हैं, औद्योगिक वविादों, समापनों, छँटनी और कामबंदी के वषिय में सूचनाओं को संकलति करता है?

- (a) केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय
- (b) उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार वभिाग
- (c) श्रम ब्यूरो
- (d) राष्ट्रीय तकनीकी जनशक्ति सूचना प्रणाली

उत्तर:(c)

व्याख्या:

- भारत में औद्योगिक वविादों, बंदियों, छँटनी और छँटनी पर सांख्यिकी श्रम ब्यूरो का एक वार्षिक प्रकाशन है जो श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत एक संलग्न कार्यालय है। अतः विकल्प (c) सही है।

श्रम ब्यूरो:

- श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत एक संलग्न कार्यालय के रूप में श्रम ब्यूरो की स्थापना 1 अक्टूबर, 1946 को की गई थी।
- श्रम ब्यूरो मज़दूरी, कमाई, उत्पादकता, अनुपस्थिति, श्रम कारोबार, औद्योगिक संबंध, काम करने और रहने की स्थिति तथा वभिन्न श्रम अधिनियमों के कामकाज के मूल्यांकन आदि के संबंध में आँकड़े एवं संबंधित जानकारी एकत्रित व प्रकाशित करता है। उद्योगों के लिये उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संख्या जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतकों के अलावा, कृषि और ग्रामीण मज़दूर; मज़दूरी दर सूचकांक और औद्योगिक संबंधों पर आँकड़े, संगठित और असंगठित क्षेत्र में उद्योगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति आदि भी कार्यालय द्वारा जारी किये जाते हैं।

[Labour Bureau - Arthapedia](#)

[ID_Review_2012.pdf \(labourbureaunew.gov.in\)](#)

22. भारत में, कोयला नियंत्रक संगठन (Coal Controller's Organization – CCO) की क्या भूमिका है?

1. CCO भारत सरकार में कोयला सांख्यिकी का प्रमुख स्रोत है।
2. यह बद्ध कायला/लग्निाइट खंड के विकास की प्रगतिका मॉनीटरन करता है।
3. यह कोयलायुक्त क्षेत्रों के अधग्रहण के संबंध में सरकार की अधिसूचना के प्रतिकिसी आपत्तिका अनुश्रवण करता है।
4. यह सुनिश्चित करता है कि कोयला खनन कंपनियाँ वहिति समय में अंतिम उपभोक्ताओं को कोयला वतिरण करें।

नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 1 और 2
- (d) 1, 2 और 4

उत्तर: (a)

कोयला नयित्त्रक संगठन:

- वर्ष 1916 में स्थापित कोयला नयित्त्रक का कार्यालय (पहले कोयला आयुक्त), भारतीय कोयला क्षेत्र के सबसे पुराने कार्यालयों में से एक है। इस कार्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कोयले की आवश्यकता की पूर्ति पर सरकारी नयित्त्रक रखना था।

कोयला नयित्त्रक संगठन के कार्य नीचे सूचीबद्ध हैं:

- कोयले की श्रेणी, ग्रेड या आकार की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिये कोयला-खानों का निरीक्षण। कोयला खान (colliery) में खनन किये गए सीम के कोयले के ग्रेड की घोषणा और रखरखाव के उद्देश्य से निर्देश जारी करना।
- केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को मासिक कोयला डेटा प्रस्तुत करना। **अतः कथन 1 सही है।**
- कोयला युक्त क्षेत्र (अधग्रहण एवं विकास) अधिनियम, 1957 के तहत कोयला नयित्त्रक इस अधिनियम के तहत सक्षम प्राधिकारी है जो कोयला आधारित भूमि के अधग्रहण से संबंधित केंद्र सरकार की अधिसूचना पर किसी भी आपत्तिको सुनने और केंद्र सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु सक्षम है। **अतः कथन 3 सही है।**
- कोयला नयित्त्रक संगठन कंपटिव कोयला/लिंग्नाइट ब्लॉकों के विकास और उनकी संबद्ध अंतिम-उपयोग परियोजनाओं की प्रगतिकी निगरानी करता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- यह सुनिश्चित नहीं करता है कि कोयला खनन कंपनी निर्धारित समय में अंतिम उपयोगकर्ता तक कोयला पहुँचाती है। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

<http://coalcontroller.gov.in/pages/display/5-functionsresponsibilities#:~:text=Under%20Coal%20Bearing%20Area%20%28Acquisition%20and%20Deve>

<http://surl.li/cdrxl>

23. यदि किसी विशिष्ट क्षेत्र को भारत के संविधान की पाँचवी अनुसूची के अधीन लाया जाए, तो निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक, इसके परिणाम को सर्वोत्तम रूप से प्रतबिंबित करता है?

- इससे जनजातीय लोगों की जमीनें गैर-जनजातीय लोगों को अंतरित करने पर रोक लगेगी।
- इससे उस क्षेत्र में एक स्थानीय स्वशासी निकाय का सृजन होगा।
- इससे वह क्षेत्र संघ राज्यक्षेत्र में बदल जाएगा।
- जिस राज्य के पास ऐसे क्षेत्र होंगे, उसे विशेष कोटिका राज्य घोषित किया जाएगा।

उत्तर: (a)

पाँचवी अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत भूमि शासन:

- राज्यपाल निम्नलिखित के संबंध में नियम बना सकता है:

(i) अनुसूचित जनजातियों से और उनके बीच भूमि के हस्तांतरण का निषेध और प्रतबिंध – देश के लगभग हर राज्य और निश्चित रूप से अनुसूचित क्षेत्रों वाले सभी राज्यों ने अनुसूचित क्षेत्रों में आदवासियों द्वारा गैर-आदवासियों को भूमि हस्तांतरण की रोकथाम/निषेध से संबंधित कानून बनाए हैं और कुछ मामलों में, आदवासियों के बीच भूमि का परस्पर हस्तांतरण तक प्रतबिंधित है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

(ii) अनुसूचित क्षेत्रों में आदवासियों को भूमि आवंटन का वनियमन;

(iii) अनुसूचित क्षेत्रों में आदवासियों को साहकारी का वनियमन।

<https://www.mea.gov.in/Images/pdf1/S5.pdf>

<https://tribal.nic.in/downloads/FRA/5.%20Land%20and%20Governance%20under%20Fifth%20Schedule.pdf>

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत स्वच्छता गठबंधन धारणीय स्वच्छता को संवर्धित करने वाला प्लेटफॉर्म है और भारत सरकार तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसका वित्तपोषण होता है।
2. राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान भारत सरकार में आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय का शीर्षस्थ निकाय है, और यह शहरी भारत की चुनौतियों का समाधान करने के नवप्रवर्तक हल उपलब्ध कराता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

भारत स्वच्छता गठबंधन (India Sanitation Coalition)

- भारत स्वच्छता गठबंधन का गठन 'फकिंकी के तत्वावधान में कथित गया था।
- गठबंधन का दृष्टिकोण एक साझेदारी मोड की सहायता से धारणीय स्वच्छता के लिये एक पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम और समर्थन करना है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

शहरी मामलों का राष्ट्रीय संस्थान

- वर्ष 1976 में स्थापित, शहरी मामलों का राष्ट्रीय संस्थान/नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (NIUA) शहरी नियोजन और विकास पर भारत का प्रमुख राष्ट्रीय विचार मंच है।
- शहरी क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान के निर्माण और प्रसार के केंद्र के रूप में, NIUA तेज़ी से शहरीकरण के क्रम में भारत की चुनौतियों का समाधान करने के लिये अभिनव समाधान प्रदान करने का उद्देश्य रखता है और भविष्य के अधिक समावेशी तथा संवहनीय शहरों का मार्ग प्रशस्त करता है।
- वर्ष 1976 में, NIUA को भारत सरकार की शहरी विकास योजनाओं में समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिये एक शीर्ष निकाय के रूप में नियुक्त किया गया था। तब से, इसने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के साथ-साथ अन्य सरकारी और नागरिक क्षेत्रों के साथ मिलकर, अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने तथा शहरी नीति एवं नियोजन में कमियों को दूर करने का काम किया है। **अतः कथन 2 सही है।**

[Ficci-press-jun25-sanitation.pdf](https://www.ficci.com/press/jun25-sanitation.pdf)

[Who We Are - India Sanitation Coalition](https://www.who.int/teams/urban-and-regional-health-promotion-and-prevention/india-sanitation-coalition)

[Sustainable Cities India Program \(drishtiias.com\)](https://www.drishtiias.com/program/sustainable-cities-india)

25. नमिन्लखिति में कौन-सा एक, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अधीन गठित किया गया है?

- (a) केन्द्रीय जल आयोग
- (b) केन्द्रीय भूजल बोर्ड
- (c) केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण
- (d) राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण

उत्तर: (c)

- देश में भूजल संसाधनों के विकास और प्रबंधन को विनियमित एवं नियंत्रित करने के लिये पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 (3) के तहत केन्द्रीय भूजल प्राधिकरण का गठन किया गया है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

शक्तियाँ एवं कार्य:

प्राधिकरण को नमिनलखित शक्तियों प्रदान की गई हैं:

- (i) उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) में नरिदष्टि सभी मामलों के संबंध में नरिदेश जारी करने और ऐसे उपाय करने के लिये पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत शक्तियों का प्रयोग।
- (ii) उक्त अधिनियम की धारा 15 से 21 में नहिति दंडात्मक प्रावधानों की सहायता लेना।
- (iii) देश में भूजल का वनियमन और नरिंतरण, प्रबंधन एवं वकिसा करना तथा इस उद्देश्य के लिये आवश्यक नयामक नरिदेश जारी करना।
- (iv) अधकारियों की नयुक्तके लिये पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 4 के तहत शक्तियों का प्रयोग।

[INDEX \(cgwb.gov.in\)](http://INDEX (cgwb.gov.in))

26. “संयुक्त राष्ट्र प्रत्यय समिति (युनाईटेड नेशंस क्रेडेंशियल्स कमिटी)” के सन्दर्भ में, नमिनलखित कथनों पर वचिर कीजिये:

1. यह संयुक्त राष्ट्र (UN) सुरक्षा परिषद द्वारा स्थापित समिति है और इसके पर्यवेक्षण के अधीन काम करती है।
2. पारंपरिक रूप से प्रतविरष मार्च, जून और सतिंबर में इसकी बैठक होती है।
3. यह महासभा को अनुमोदन हेतु रपौरट प्रस्तुत करने से पूरव सभी UN सदस्यों के प्रत्ययों का आकलन करती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 3
- (b) 1 और 3
- (c) 2 और 3
- (d) 1 और 2

उत्तर: (A)

- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के प्रत्येक नयिमति सत्र की शुरुआत में एक प्रत्यय समिति नयुक्त की जाती है।
- इसमें नौ सदस्य होते हैं, जनिहें UNGA अध्यक्ष के प्रस्ताव पर महासभा द्वारा नयुक्त कयिा जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- समिति प्रतनिधियों की साख पर वधिनसभा को रपौरट करती है।
- प्रतनिधियों की साख और प्रत्येक सदस्य राज्य के प्रतनिधिमंडल के सदस्यों के नाम महासचवि को प्रस्तुत कयिे जाते हैं और या तो राज्य या सरकार के प्रमुख या वदिश मामलों के मंत्री द्वारा जारी कयिे जाते हैं।
- समिति के लिये सदस्य राज्यों के प्रतनिधियों की साख की जाँच करना और उस पर महासभा को रपौरट करना अनविर्य है। अतः कथन 3 सही है।
- आमतौर पर, समिति की बैठक नवंबर में होती है, दसिंबर में आम सभा के समक्ष रपौरट प्रस्तुत की जाती है। अतः कथन 2 सही नहीं है।

<https://www.un.org/en/ga/credentials/credentials.shtml>

<https://theprint.in/world/un-credentials-committee-that-will-review-taliban-nomination-likely-to-meet-in-november/744076/>

27. नमिनलखित में से कौन-सा एक कथन ‘धरुवीय कोड (Polar Code)’ का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

- (a) धरुवीय जलराशियों में परचालन कर रहे जहाज़ों के लिये यह सुरक्षा का अंतर्राष्ट्रीय कोड है।
- (b) यह उत्तरी धरुव के आसपास के देशों का धरुवीय क्षेत्र में अपने राज्यक्षेत्रों के सीमांकन का समझौता है।
- (c) यह उत्तरी धरुव और दक्षिणी धरुव में अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों के देशों द्वारा अपनाए जाने वाले मानकों का समुच्चय है।
- (d) यह आर्कटिक कौंसिल के सदस्य देशों का व्यापारिक और सुरक्षा समझौता है।

उत्तर: (A)

- ध्रुवीय जल में संचालित जहाजों के लिये IMO का अंतरराष्ट्रीय कोड (ध्रुवीय कोड) समुद्र में जीवन की सुरक्षा के लिये अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (SOLAS) और जहाजों से प्रदूषण की रोकथाम के लिये अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (MARPOL) दोनों के तहत अनिवार्य है। ध्रुवीय संहिता में डिज़ाइन, निर्माण, उपकरण, पर्यावरण, प्रशिक्षण, खोज और बचाव तथा दो ध्रुवों के आस-पास के दुर्गम जल में चलने वाले जहाजों के लिये प्रासंगिक पर्यावरण संरक्षण मामलों की पूरी शृंखला शामिल है। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- ध्रुवीय संहिता 1 जनवरी 2017 को लागू हुई।

<https://www.imo.org/en/OurWork/Safety/Pages/polar-code.aspx>

28. संयुक्त राष्ट्र महासभा के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. UN महासभा, गैर-सदस्य राज्यों को पर्यवेक्षक स्थिति प्रदान कर सकती है।
2. अंतःसरकारी संगठन UN महासभा में पर्यवेक्षक स्थिति पाने का प्रयत्न कर सकते हैं।
3. UN महासभा में स्थायी पर्यवेक्षक UN मुख्यालय में मंजूर बनाए रख सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (D)

- संयुक्त राष्ट्र के गैर-सदस्य राज्य, जो एक या अधिक विशिष्ट एजेंसियों के सदस्य हैं, स्थायी पर्यवेक्षक के दर्जे के लिये आवेदन कर सकते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा गैर-सदस्य राज्यों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और अन्य संस्थाओं को स्थायी पर्यवेक्षक का दर्जा दे सकती है। **अतः कथन 1 और 2 सही हैं।**
- एक स्थायी पर्यवेक्षक का दर्जा विशुद्ध रूप से अभ्यास पर आधारित होता है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर में इसके लिये कोई प्रावधान नहीं है।
- इस प्रणाली की शुरुआत वर्ष 1946 में हुई, जब महासचिव ने संयुक्त राष्ट्र में एक स्थायी पर्यवेक्षक के रूप में स्विस सरकार के पद को स्वीकार किया।
- धीरे-धीरे कुछ राज्यों द्वारा पर्यवेक्षकों को आगे रखा गया जो बाद में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य बन गए इनमें ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, इटली और जापान शामिल थे। 10 सितंबर, 2002 को स्वट्ज़रलैंड संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना।
- स्थायी पर्यवेक्षकों के पास अधिकांश बैठकों और प्रासंगिक दस्तावेजों तक नशुल्क पहुँच होती है।
- कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठन भी महासभा के कार्य और वार्षिक सत्रों में पर्यवेक्षक हैं।
- स्थायी पर्यवेक्षक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महासभा के सत्रों और कार्यों में भाग ले सकते हैं और मंशिनो को जारी रख सकते हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

<https://www.un.org/en/about-us/about-permanent-observers>

<https://ask.un.org/faq/14519>

29. भारत में “चाय बोर्ड” के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चाय बोर्ड सांविधिक निकाय है।
2. यह कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय से संलग्न नियामक निकाय है।
3. चाय बोर्ड का प्रधान कार्यालय बेंगलुरु में स्थित है।
4. इस बोर्ड के दुबई और मॉस्को में वदेशी कार्यालय हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) 1 और 3
 (b) 2 और 4
 (c) 3 और 4
 (d) 1 और 4

उत्तर: (D)

- चाय बोर्ड केंद्र सरकार के एक सांविधिक निकाय के रूप में कार्य कर रहा है। अतः कथन 1 सही है।
- यह वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत आता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- बोर्ड का गठन 31 सदस्यों (अध्यक्ष सहित) से होता है, जो संसद सदस्यों, चाय उत्पादकों, चाय व्यापारियों, चाय दलालों, उपभोक्ताओं और प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों की सरकारों के प्रतिनिधियों और ट्रेड यूनियनों में से चुने जाते हैं। प्रत्येक तीन वर्ष में बोर्ड का पुनर्गठन किया जाता है।
- **वदिशों में कार्यालय:** वर्तमान में चाय बोर्ड के दो वदिशी कार्यालय (दुबई और मॉस्को में) हैं। बोर्ड के इन सभी वदिशी कार्यालयों को भारतीय चाय के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न प्रचार उपायों के लिये डिज़ाइन किया गया है। ये कार्यालय संबंधित क्षेत्रों में भारतीय चाय के आयातकों के साथ-साथ भारतीय निर्यातकों के बीच बातचीत के लिये एक संपर्क कार्यालय के रूप में भी कार्य करते हैं। अतः कथन 4 सही है।
- इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

<https://www.teaboard.gov.in/TEABOARDCSM/NA==>

30. नमिनलखिति में कौन-सा एक, “ग्रीनवाशिग” शब्द का सर्वोत्तम वर्णन है?

- (a) मथिया रूप से यह प्रभाव व्यक्त करना कि कंपनी के उत्पाद पारस्थितिकि-अनुकूली (ईको-फ्रेंडली) और पर्यावरणीय रूप से उपयुक्त हैं
- (b) कसिी देश के वार्षिक वित्तीय वविरणों में पारस्थितिकि/पर्यावरणीय लागतों को शामिल नहीं करना
- (c) आधारक संरचना वकिसति करते समय अनरथकारी पारस्थितिकि दुष्परणामों की उपेक्षा करना
- (d) कसिी सरकारी परयोजना/कार्यक्रम में पर्यावरणीय लागतों के लिये अनविर्य उपबंध करना

उत्तर: (A)

- **ग्रीनवाशिग** कसिी उत्पाद, सेवा, प्रौद्योगिकी या कंपनी के अभ्यास के पर्यावरणीय लाभों के बारे में एक निराधार या भ्रामक दावा करने का अभ्यास है। ग्रीनवाशिग कसिी कंपनी को अधिक पर्यावरण अनुकूल दखिने का प्रयास करती है जबकि वास्तव में वह कंपनी इतनी अधिक पर्यावरण अनुकूल नहीं होती। अतः वकिलप (a) सही है।

<https://www.drishtias.com/current-affairs-news-analysis-editorials/news-analysis/10-12-2018>

31. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. US पेडरल रज़िर्व की सख्त मुद्रा नीत पूँजी पलायन की ओर ले जा सकती है।
2. पूँजी पलायन वर्तमान वदिशी वाणिज्यिक ऋणग्रहण (External Commercial Borrowings –ECBs) वाली फर्मों की ब्याज लागत को बढ़ा सकता है।
3. घरेलू मुद्रा का अवमूल्यन, ECBs से संबद्ध मुद्रा जोखमि को घटाता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
 (b) केवल 2 और 3
 (c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सख्त या संकुचनकारी मौद्रिक नीति एक मौद्रिक उपाय है जिसका अर्थ है केंद्रीय बैंक द्वारा मौद्रिक वस्तुओं की दर में कमी। यह एक सूक्ष्म आर्थिक उपकरण है जिसे केंद्रीय बैंकों या सरकारी अंतःक्षेपों द्वारा नरिमिति की गई उद्गामी मुद्रास्फीति या अन्य आर्थिक विकृतियों से निपटने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- केंद्रीय बैंक छूट दर और संघीय नधिदर में नीतित परविरतनों के माध्यम से अल्पकालिक ब्याज दरों को बढ़ाकर नीतिको सख्त करता है या मुद्रा को संकुचित करता है। ब्याज दरों में वृद्धि से उधार लेने की लागत बढ़ जाती है और प्रभावी रूप से इसके आकर्षण में कमी आती है।
- केंद्रीय बैंक छूट दर और संघीय नधिदर में नीतित परविरतनों के माध्यम से अल्पकालिक ब्याज दरों को बढ़ाकर नीतिको मजबूत करता है या पैसे को तंग करता है। ब्याज दरों में वृद्धि से उधार लेने की लागत बढ़ जाती है और प्रभावी रूप से इसके आकर्षण में कमी आती है।

32. नमिनलखिति राज्यों पर वचिर कीजिये:

1. आंध्र प्रदेश
2. केरल
3. हमिचल प्रदेश
4. त्रपुरि

उपर्युक्त में से कतिने आम तौर पर चार-उत्पादक राज्य के रूप में जाने जाते हैं?

- (a) केवल एक राज्य
- (b) केवल दो राज्य
- (c) केवल तीन राज्य
- (d) सभी चारों राज्य

उत्तर: (c)

व्याख्या:

भारतीय चाय बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2019-2020 के अनुसार:

सामान्यतः चाय उत्पादक राज्य असम, त्रपुरि, पश्चिम बंगाल, तमलिनाडु, केरल, हमिचल प्रदेश हैं।



State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2018-19								
State ↓	Activity	Factory Modernization (no.)	Value addition (no.)	Setting up of new factories (no.)	Certification (no.)	Incentive for Orthodox & Green tea (million kg)	Other Administrative Expenses	TOTAL
Assam	Financial							
	(Lakh Rs.)		121.03	93.99		962.59	0.42	1178.03
	Physical		8	0		32.06		
Tripura	Financial							
	(Lakh Rs.)					3.15		3.15
	Physical					0.11		
West Bengal	Financial							
	(Lakh Rs.)		78.74			139.81		218.55
	Physical		3			4.64		
Tamil Nadu	Financial							
	(Lakh Rs.)		17.44	18.58	1.98	274.23		312.23
	Physical		3	9	3	9.12		
Kerala	Financial							
	(Lakh Rs.)				0.54	65.54		66.08
	Physical				1	3.89		
Himachal Pradesh	Financial							
	(Lakh Rs.)				0.84	19.999		20.84

■ अतः विकल्प (b) सही है।

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत में, साख क्षमता-नरिधारण एजेंसियाँ (क्रेडिट रेटिंग एजेंसीज़) भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा वनियमिति होती हैं।
2. ICRA नाम से जानी जाने वाली क्षमता-नरिधारण एजेंसी एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है।
3. ब्रकिवर्क रेटिंग्स एक भारतीय साख क्षमता-नरिधारण एजेंसी है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत में सभी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को भारतीय प्रतभूत और वनियमि बोरड अधनियमि, 1992 के सेबी (क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों) वनियमि, 1999 द्वारा वनियमिति कयिा जातल है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- ICRA लमितिड (पूर्व में इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया लमितिड) की स्थापना 1991 में प्रमुख वतित्तीय / नविश संस्थानों, वाणजियकि बैंकों और वतित्तीय सेवा कंपनयिों द्वारा स्वतंत्र और पेशेवर नविश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के रूप में की गई थी।
- वर्तमान ICRA और उसकी सहायक कंपनयिों मलिकर ICRA ग्रुप ऑफ कंपनीज़ (ग्रुप ICRA) बनाती हैं। ICRA एक पब्लकि लमितिड कंपनी है, जसिके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं। अतः कथन 2 सही है
- ब्रकिवरक रेटिंग, सेबी पंजीकृत क्रेडिट रेटिंग एजेंसी को भी आरबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त है। अतः कथन 3 सही है।

अतः वकिलप (b) सही है

34. 'बैंक बोरड ब्यूरो (BBB)' के सन्दर्भ में, नमिनलखिति में कौन-से कथन सही हैं?

1. RBI का गवरनर BBB का चेयरमैन होता है।
2. BBB, सार्वजनकि क्षेत्रक बैंकों के अध्यक्षों के चयन के लिए संस्तुतकिरता है।
3. BBB, सार्वजनकि क्षेत्रक बैंकों को कार्थनीतयिों और पूंजी-वर्धन योजनलओं को वकिसति करने में मदद करतल है।

नीचे दएि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनएि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बैंक बोरड ब्यूरो (BBB) की उत्पत्ति 'भारत में बैंकों के बोरडों के शासन की समीक्षा समिति, मई 2014 (अध्यक्ष - पी जे नायक)' की सफिरशिों में हुई है।
- गठन: वर्ष 2016 में सरकार ने सार्वजनकि क्षेत्र के बैंकों (PSB) और राज्य के स्वामत्ति वाले वतित्तीय संस्थानों के पूर्णकालकि नदिशकों और गैर-कार्यकारी अध्यक्षों की नयिकृति हेतु सफिरशि करने के लयि पेशेवरों और अधिकारियिों के एक नकिय के रूप में BBB के गठन को मंजूरी दी।
 - यह एक स्वायत्त सलाहकारी नकिय है।
 - बैंक बोरड ब्यूरो में अध्यक्ष, तीन पदेन सदस्य सचवि, सार्वजनकि उद्यम वभिाग, वतित्तीय सेवा वभिाग के सचवि और भारतीय रज़िर्व बैंक के डपिटी गवरनर और पांच वशिषज्ज सदस्य शामिल हैं, जनिमें से दो नज्ी क्षेत्र से हैं।
 - बैंक बोरड ब्यूरो के अध्यक्ष की नयिकृति मंत्रिमंडल की नयिकृति समिति द्वारा की जाती है
- बैंक बोरड ब्यूरो सार्वजनकि क्षेत्र के बैंकों को रणनीति वकिसति करने और पूंजी जुटाने में मदद करतल है

अतः वकिलप (b) सही है

<https://banksboardbureau.org.in/bureau-profile/>

35. परविरतनीय बॉन्ड के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. चूँकि बॉन्ड को ईकवटि के लिए बदलने का वकिलप है, परविरतनीय बॉन्ड अपेक्षाकृत कम बयाज दर का भुगतान करतल हैं।
2. ईकवटि के लिए बदलने का वकिलप बॉन्ड-धारक को बढ़ती हुई उपभोक्ता कीमतों से सहलग्नता (इंडेक्सेशन) की मात्रा प्रादान करतल है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
 (b) केवल 2
 (c) 1 और 2 दोनों
 (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- एक परिवर्तनीय बॉण्ड एक नश्चिती आय वाली कॉरपोरेट ऋण सुरक्षा है जो ब्याज भुगतान प्राप्त करती है, लेकिन इसे सामान्य स्टॉक या इक्विटी शेयरों की पूर्व निर्धारित संख्या में परिवर्तित किया जा सकता है।
- कंपनियों ऋण पर कूपन दर (कम ब्याज दर) तथा मन्दन को कम करने के लिये परिवर्तनीय बॉण्ड जारी करती हैं। अतः कथन 1 सही है
- वे नविशकों के लिये अधिक आकर्षक हो सकते हैं क्योंकि परिवर्तनीय बॉण्ड स्टॉक की कीमत को भविष्य में पूंजी अभिवृद्धि के माध्यम से विकास क्षमता प्रदान करते हैं। इसलिये उपभोक्ता कीमतों में बढ़ोतरी से नविशकों को फायदा होगा। अतः कथन 2 सही है।
- परिवर्तनीय बॉण्ड आमतौर पर सीधे कॉरपोरेट बॉण्ड की तुलना में कम ब्याज दरों का भुगतान करते हैं- ब्याज व्यय में बचत महत्त्वपूर्ण हो सकती है।
- नविशक कम ब्याज भुगतान स्वीकार करते हैं क्योंकि परिवर्तन विकल्प स्टॉक मूल्य में वृद्धि से लाभ उठाने का अवसर प्रदान करता है।

<https://www.forbes.com/advisor/investing/convertible-bonds/>

36. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. एशियाई अवसंरचना नविश बैंक (एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक)
2. प्रकृष्टपास्त्र प्रौद्योगिकी नयित्रण व्यवस्था (मसिाइल टेक्नोलॉजी कन्ट्रोल रजिमी)
3. शंघाई सहयोग संगठन (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन)

भारत उपर्युक्त में से कसिका/कनिका सदस्य है?

- (a) केवल 1 और 2
 (b) केवल 3
 (c) केवल 2 और 3
 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मसिाइल प्रौद्योगिकी नयित्रण व्यवस्था (MTCR) मसिाइल और मानव रहित हवाई वाहन प्रौद्योगिकी (जो 300 कमी से अधिक दूरी के लिये 500 किलोग्राम से अधिक पेलोड ले जाने में सक्षम) के प्रसार को रोकने के लिये 35 देशों के बीच एक अनौपचारिक और स्वैच्छिक साझेदारी है, है।
 - भारत को वर्ष 2016 में 35वें सदस्य के रूप में मसिाइल प्रौद्योगिकी नयित्रण व्यवस्था में शामिल किया गया था।

<https://www.drishtias.com/to-the-points/Paper2/multilateral-export-control-regimes>

- AIIB एक बहुपक्षीय विकास बैंक है जिसका उद्देश्य एशिया में सामाजिक और आर्थिक परिणामों में सुधार करना है। AIIB की सदस्यता विश्व बैंक या एशियाई विकास बैंक के सभी सदस्यों के लिये खुली है, इसे क्षेत्रीय और गैर-क्षेत्रीय सदस्यों में विभाजित किया गया है।
 - भारत इसका दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है, जिसने 8.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है।

<https://www.drishtias.com/important-institutions/drishti-specials-important-institutions-international-institution-asian-infrastructure-investment-bank>

- SCO एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यह एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है, जिसका लक्ष्य इस क्षेत्र

में शांति, सुरक्षा तथा स्थिरता को बनाए रखना है।

- भारत और पाकिस्तान 9 जून, 2017 को पूर्ण सदस्य के रूप में SCO में शामिल हुए।

<https://www.drishtias.com/important-institutions/drishti-specials-important-institutions-international-institution/important-international-institutions-shanghai-cooperation-organisation-sco>

अतः विकल्प (d) सही है।

37. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. हाल के वर्षों में वयितनाम विश्व में सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है।
2. वयितनाम का नेतृत्व बहु-दलीय राजनीतिक प्रणाली के द्वारा होता है।
3. वयितनाम का आर्थिक विकास विश्वव्यापी पूर्णतः शृंखलाओं के साथ इसके एकीकरण और नरियात पर मुख्य ध्यान होने से जुड़ा है।
4. लंबे समय से वयितनाम की निम्न श्रम लागतों और स्थिर वनिमिय दरों ने वैश्विक निरमाताओं को आकर्षित किया है।
5. हृदि-प्रशांत क्षेत्र का सर्वाधिक उत्पादक म-सेवा सेक्टर वयितनाम में है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) 2 और 4
- (b) 3 और 5
- (c) 1, 3 और 4
- (d) 1 और 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वयितनाम एक-दलीय प्रणाली वाला देश है, जहाँ वयितनाम की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (CPV) दशकों से हावी है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- 'https://statisticstimes.com' के अनुसार, वर्ष 2020 और 2021 में वयितनाम की विकास दर रैंक क्रमशः 15 और 38 है। अतः कथन 1 सही है।
- वनिर्माण उद्योग कई प्रमुख कारकों द्वारा संचालित होता है। सबसे पहले, वयितनाम को प्रतस्पर्द्धी श्रम लागत के साथ कम लागत वाला निरमाता माना जाता है। औसतन, वयितनाम की श्रम लागत चीन की श्रम लागत से आधी है।
- वर्ष 2010 के बाद से, वयितनाम की मुद्रा की सराहना की गई है और वर्ष 2015 से, सरकार ने डॉलर के मुकाबले वयितनामी डॉंग (VND) को वास्तविक रूप से स्थिर रखा है। अतः कथन 4 सही है।
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के अनुसार, "COVID-19 के बावजूद, वयितनाम की अर्थव्यवस्था लचीली बनी हुई है"। वर्ष 2020 में, इसमें 2.9% और वर्ष 2021 का वसतिार हुआ। यह एशिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है; यह अमेरिका के साथ चल रहे व्यापार युद्ध में चीन द्वारा खोए गए अधिकांश व्यवसाय को लेने में कामयाब रहा है, जबकि अभी भी दोनों देशों के साथ ठोस संबंध स्थापित कर रहा है। वयितनाम की अर्थव्यवस्था बढ़ती रहेगी और देश वैश्विक आपूर्ति शृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अतः कथन 3 सही है।

38. भारत में, निम्नलिखित में कौन मुद्रास्फीति को नियंत्रित कर कीमत स्थिरता बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है?

- (a) उपभोक्ता मामले विभाग
- (b) वयय प्रबंधन आयोग
- (c) वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद्
- (d) भारतीय रिज़र्व बैंक

उत्तर: (D)

व्याख्या:

मौद्रिक नीतिका प्राथमिक उद्देश्य विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता बनाए रखना है। सतत विकास के लिये मूल्य स्थिरता एक आवश्यक पूर्व शर्त है।

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) में मौद्रिक नीतिके संचालन की ज़िम्मेदारी नहिती है। यह ज़िम्मेदारी भारतीय रज़िर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत अनिवार्य है।

मई 2016 में, भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) अधिनियम, 1934 को लचीला मुद्रास्फीतिलक्ष्यीकरण ढाँचे (Flexible Inflation Targeting Framework) के कार्यान्वयन के लिये एक वैधानिक आधार प्रदान करने हेतु संशोधित किया गया था।

अतः विकल्प (d) सही है।

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/monetary-policy-committee-rbi>

https://www.rbi.org.in/scripts/FS_Overview.aspx?fn=2752

39. नॉन-फंजिबल टोकेंस (Non-Fungible Tokens–NFTs) के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- वे भौतिक परिसंपत्तियों के अंकीय नरूपण (डिजिटल रपिरेज़ेंटेशन) को सुकर बनाते हैं।
- वे अनन्य क्रिप्टोग्राफिक टोकेंस हैं जो किसी ब्लॉकचैन में वदियमान हैं।
- उनका, तुल्यता पर, व्यापार या वनिमिय कयिा जा सकता है और इसलए उनका वाणज्यिक लेन-देन के माध्यम के रूप में इस्तेमाल कयिा जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- केवल 1 और 3
- 1, 2 और 3

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- कोई भी चीज जिसे डिजिटल रूप में बदला जा सकता है वह NFTs हो सकती हैं।
- ड्रॉइंग, फोटो, वीडियो, GIF, संगीत, इन-गेम आइटम, सेल्फी और यहाँ तक कि एक ट्वीट, सब कुछ एक NFT में बदला जा सकता है, जिसे बाद में क्रिप्टोकॉरेंसी का उपयोग करके ऑनलाइन कारोबार कयिा जा सकता है।
- अगर कोई व्यक्ति अपनी डिजिटल संपत्तिको NFTs में परिवर्तित करता है, तो उसे ब्लॉकचैन द्वारा संचालित स्वामित्व का प्रमाण मलिया।

अतः कथन 1 और 2 सही हैं।

- NFTs नॉन-फंजिबल टोकेंस हैं, जिसका अर्थ है कि एक NFT का मूल्य दूसरे के बराबर नहीं है।
- नॉन-फंजिबल का अर्थ है कि NFT परस्पर वनिमिय नहीं हैं। प्रत्येक NFT की UNIQUE पहचान होती है, जो इसे नॉन-फंजिबल और अद्वितीय बनाती है।

अतः कथन 3 सही नहीं है।

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/non-fungible-tokens>

40. नमिन्लखिति युग्मों पर वचिार कीजयि:

जलाशय	राज्य
1. घाटप्रभा	तेलंगाना
2. गांधी सागर	मध्य प्रदेश
3. इंदरिा सागर	आंध्र प्रदेश
4. मैथोन	छत्तीसगढ

उपरयुक्त में से कतिने युग्म सही सुमेलति नही हैं?

- केवल एक युग्म
- केवल दो युग्म
- केवल तीन युग्म
- सभी चारों युग्म

उत्तर: (c)

व्याख्या:

घाटप्रभा में जलवदियुत और सचिाई बाँध हडिकल है ।

- हडिकल बाँध कर्नाटक के बेलगावी ज़िले में स्थति है । यह बाँध वर्ष 1977 में बनकर तैयार हुआ था । इसे बहुउद्देशीय परियोजना बनाने के लयि बाँध पर एक जलाशय भी बनाया गया था ।
- चंबल नदी (मध्य प्रदेश) पर गांधी सागर बाँध राष्ट्रीय महत्त्व के पाँच जलाशयों में से एक है ।
- इंदरिा सागर (पोलावरम) परियोजना आंध्र प्रदेश में पश्चमि गोदावरी ज़िले के पोलावरम मंडल के रामय्यापेट गाँव के नकिट गोदावरी नदी पर स्थति है ।
 - हालाँकि, प्रश्न में दया गया इंदरिा सागर, मध्य प्रदेश में है क्योंकि आंध्र प्रदेश के इंदरिा सागर में पोलावरम शामिल होगा ।
- मैथन बाँध धनबाद (झारखंड) के कोयला शहर से लगभग 48 किलोमीटर की दूरी पर स्थति है ।

सही युग्म

जलाशय	राज्य
1. घाटप्रभा	कर्नाटक
2. गांधी सागर	मध्य प्रदेश
3. इंदरिा सागर	मध्य प्रदेश
4. मैथन	झारखंड

अतः विकल्प (c) सही है ।

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/ghataprabha-river>

<https://www.drishtiiias.com/daily-updates/daily-news-analysis/state-of-india-s-dams>

41. भारत सरकार अधनियम, 1919 में, प्रांतीय सरकार के कार्य “आरक्षति (रज़िर्वड)” और “अंतरति (ट्रांसफरड)” वषियों के अंतरगत बाँटे गए थे । नमिन्लखिति में कौन-से “आरक्षति” वषिय माने गए थे?

- न्याय प्रशासन
- स्थानीय स्वशासन
- भू-राजस्व
- पुलसि

नीचे दएि कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनएि:

- 1, 2 और 3

(b) 2, 3 और 4

(c) 1, 3 और 4

(d) 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

भारत सरकार अधिनियम, 1919 के अनुसार वषियों को दो सूचियों में विभाजित किया गया था: "आरक्षण सूची" जिसमें कानून और व्यवस्था, वित्त, भूमि राजस्व, संचाई, आदि जैसे वषिय शामिल थे, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय सरकार, उद्योग, कृषि, उत्पाद शुल्क, आदि जैसे वषिय "स्थानांतरित सूची" में शामिल थे।

42. मध्यकालीन भारत में, शब्द "फणम" किसने नरिदषिट करता था?

(a) पहनावा

(b) सक्किे

(c) आभूषण

(d) हथथियार

उत्तर:(b)

व्याख्या:

मध्यकालीन त्रावणकोर में फैनम और चकराम सक्किे मुद्रा की नथिमति इकाई थे और व्यापार के लथि बड़े पैमाने पर उपयोग कथि जाते थे।

43. नमिनलखिति स्वतंत्रता सेनानथियों पर वचिय कीजथि:

1. बारीदर कुमार घोष
2. जोगेश चंदर चटर्जी
3. रास बहियारी बोस

उपरयुक्त में से कौन गदर पार्टी के साथ सकरथि रूप से जुड़ा था/जुड़े थे?

(a) 1 और 2

(b) केवल 2

(c) 1 और 3

(d) केवल 3

उत्तर: (d)

व्याख्या

- बरदिर कुमार घोष (बरदिर घोष) बंगाली क्रांतिकारी आंदोलन, जुगंतर/युगंतर के संस्थापक सदस्य थे। वह गदर पार्टी से नहीं जुड़े थे।
- जोगेश चंदर अनुशीलन समथि के सदस्य बने। वह हदुस्तान रपिब्लकिन एसोसिएशन (HRA) (1924 में) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वह गदर पार्टी से नहीं जुड़े थे।

- रास बहारी बोस ब्रिटिश राज के खिलाफ भारतीय क्रांतिकारी नेता थे। वह गदर विद्रोह के प्रमुख आयोजकों में से एक थे।

अतः विकल्प (d) सही है।

44. कर्प्स मशिन के प्रस्तावों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संविधान सभा में प्रांतीय विधान सभाओं और साथ ही भारतीय रियासतों द्वारा नामित सदस्य होंगे।
2. नया संविधान स्वीकार करने के लिए जो भी प्रांत तैयार नहीं होगा, उसे यह अधिकार होगा कि अपनी भावी स्थिति के बारे में ब्रिटन के साथ अलग संधि पर हस्ताक्षर करे।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कर्प्स मशिन के अनुसार, देश का एक नया संविधान बनाने के लिए एक संविधान सभा का गठन किया जाएगा। इस सभा में प्रांतीय विधानसभाओं द्वारा चुने गए सदस्य और राजाओं द्वारा मनोनीत सदस्य भी होंगे। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- इसके अलावा मशिन ने प्रस्तावित किया कि कोई भी प्रांत भारतीय प्रभुत्व में शामिल होने के इच्छुक नहीं है तो एक अलग संघ बना सकता है जिसका एक अलग संविधान हो सकता है। अतः कथन 2 सही है।

<https://www.drishtias.com/hindi/mains-practice-question/question-164>

45. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित मूलग्रंथों पर विचार कीजिये:

1. नेतृत्विकरण
2. परिशिष्टपर्वन
3. अवदानशतक
4. त्रिशुल्लिखण महापुराण

उपर्युक्त में कौन-से जैन ग्रंथ हैं?

- (a) 1, 2 और 3
- (b) केवल 2 और 4
- (c) 1, 3 और 4
- (d) 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- नेट्टपिकारा एक पौराणिक बौद्ध ग्रंथ है, जिसे कभी-कभी थेरवाद बौद्ध धर्म के पाली कैनन के खुदाका निकाय में शामिल किया गया था।

- परशिषिटपरवन हेमचन्द्र द्वारा रचति 12वीं शताब्दी का संस्कृत महाकाव्य है जो प्रारंभिक जैन शकिषकों के इतहास का वविरण प्रस्तुत करता है ।
- अवदानशतक एक सौ बौद्ध कविदंतियों का संस्कृत में एक संकलन है, जो लगभग एक ही समय से संबंधति है । त्रशिषुठलिकषण महापुराण एक प्रमुख जैन ग्रंथ है जिसकी रचना मुख्य रूप से आचार्य जनिसेना ने राष्ट्रकूट के शासन के दौरान की थी ।

अतः वकिल्प (b) सही है ।

46. भारतीय इतहास के सन्दर्भ में, नमिनलखिति युगों पर वचिर कीजयि:

ऐतहासिकि वयक्त	कसि रूप में जाने गए
1. आर्यदेव	जैन वदिवान
2. दगिनाग	बौद्ध वदिवान
3. नाथमुनि	वैष्णव वदिवान

उपर्युक्त युगों में से कतिने युग सही सुमेलति हैं?

- (a) कोई भी युग नहीं
- (b) केवल एक युग
- (c) केवल दो युग
- (d) सभी तीन युग

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- आर्यदेव महायान बौद्ध भकिषु, नागार्जुन के शषिय और मध्यमा दारशनकि थे ।
- दगिनागा भारतीय बौद्ध वदिवान और भारतीय तर्कशास्त्र के बौद्ध संस्थापकों में से एक थे ।
- श्री रंगनाथमुनि जिन्हें लोकप्रयि रूप से श्रीमन नाथमुनि (823 सीई-951 सीई) के नाम से जाना जाता है, एक वैष्णव धर्मशास्त्री थे जिन्होंने नलयरि दविय प्रबंधम को एकत्र और संकलति कयिा था । अतः केवल युग 2 और 3 सही सुमेलति हैं । पहला युग गलत सुमेलति है ।

47. भारतीय इतहास के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. भारत पर पहला मंगोल आक्रमण जलालुद्दीन खलिज़ी के राज्यकाल में हुआ ।
2. अलाउद्दीन खलिज़ी के राज्य-काल में, एक मंगोल आक्रमण दलिली तक आ पहुँचा और उस शहर पर घेरा डाल दयिा ।
3. मुहम्मद-बनि-तुगलक मंगोलों से अपने राज्य के कुछ उत्तरी-पश्चिमी भाग अस्थायी रूप से हार गया था ।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 1240-66 के बीच मंगोलों ने पहली बार भारत के वलिय की नीति अपनाई और इसके साथ ही दलिली के साथ आपसी 'गैर-आक्रामकता समझौते का

स्वर्णमि चरण समाप्त हो गया। 1241 में तायर बहादुर के अधीन मंगोलों ने लाहौर पर आक्रमण किया और शहर को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। **अतः कथन 1 गलत है।**

- 1299 में मंगोलों ने मंगोल शासक दवा खान के पुत्र कुतलुग खान (कुतलुग ख्वाजा) के नेतृत्व में भारत पर आक्रमण किया। मंगोलों द्वारा दलिली को तबाह करने का यह पहला प्रयास था। उनके निकट आने की बात सुनकर अलाउद्दीन ने अफरा तफरी में एक सेना तैयार की और सरि के बाहर इसे तैनात किया। मंगोलों ने दलिली से छह मील उत्तर में स्थिति कलिली नामक स्थान पर प्रवेश किया। **अतः कथन 2 सही है।**
- अंतिम महत्त्वपूर्ण मंगोल आक्रमण सुल्तान मुहम्मद तुगलक के शासनकाल के दौरान तरमाशरिनि के नेतृत्व में हुआ था। गयासुद्दीन तुगलक ने तरमाशरिनि के खिलाफ आक्रमण किया और उसे सधु के पार वापस भेज दिया जो मंगोलों की सीमा बनी हुई थी। **अतः कथन 3 गलत है।**

48. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, नमिनलखिति में से कौन “कुलाह-दारन” कहलाते थे?

- (a) अरब व्यापारी
- (b) कलंदर
- (c) फारसी खुशानवीस
- (d) सबयद

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सैय्यदों ने उनकी पुत्री फातमा के माध्यम से पैगंबर का वंशज होने का दावा किया। मुस्लिम समाज में उनका विशेष सम्मान था।
- तैमूर ने भारत पर आक्रमण के दौरान सैय्यदों के जीवन की रक्षा की, हालाँकि उनकी नीति सामान्य वध की थी।
- राज्य के राजस्व के दुरुपयोग के आरोपी सैय्यद को सकिंदर लोदी ने रद्द कर दिया और उसे अपने बेईमानी से प्राप्त लाभ को अपने पास रखने की अनुमति दी गई।
- सैय्यद एक नुकीली टोपी (कुलह) लगाते थे इसलिये उन्हें **कुलह-दारन** के नाम से जाना जाता था।

49. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर विचार कीजिये:

1. डच लोगों ने पूर्वी क्षेत्रों में गजपति शासकों द्वारा प्रदान की गई जमीनों पर अपनी पैक्टरियाँ/गोदाम स्थापित करि।
2. अल्फोंसो दे अलबुकरक ने बीजापुर सल्तनत से गोआ को छीन लिया था।
3. अंगरेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी ने मद्रास में वजियनगर साम्राज्य के एक प्रतिनिधि से पट्टे पर ली गई जमीन के एक प्लॉट पर पैक्टरी स्थापित की थी।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- ओड़िशा में गंग राजवंश के बाद एक और गौरवशाली राजवंश आया, जिसे सूर्यवंशी गजपति कहा जाता है। इस वंश के अंतिम शासक कखरुआ देव की 1541 में गोवदि वदियाधर ने हत्या कर दी थी, जिन्होंने भोई वंश की स्थापना की थी। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अल्फोंसो डी अलबुकरक के पास 23 युद्धपोत और लगभग 1000 सैनिक थे। जनवरी 1510 में उसने गोवा पर आक्रमण किया। उस समय गोवा की सत्ता बीजापुर के शासक के हाथ में थी, जो अपने ही राज्य में विद्रोह का दमन करने में लगा हुआ था। मौके का फायदा उठाकर अल्फोंसो डी अलबुकरक ने गोवा पर कब्जा कर लिया। **अतः कथन 2 सही है।**

- 1611 ई. में, अंग्रेजों ने दक्षिण भारत में मछलीपट्टनम में अपना पहला कारखाना स्थापित किया, लेकिन जल्द ही गतविधियों का मुख्य केंद्र मद्रास में स्थानांतरित हो गया। फ्रांसिस डे ने 1639 में वजियनगर साम्राज्य के प्रतिनिधि चंद्रगरी से मद्रास को पट्टे पर दिया था। उन्होंने वहाँ एक कलिबंद कोठी का निर्माण किया, जिसका नाम 'फोर्ट सेंट जॉर्ज' रखा गया। **अतः कथन 3 सही है।**

50. कौटिल्य अर्थशास्त्र के अनुसार, नमिनलखिति में कौन-से सही हैं?

1. न्यायिक दंड के परिणामस्वरूप कोई व्यक्ति दास हो सकता था।
2. स्त्री दास अपने मालिक के संसर्ग से पुत्र जनन पर कानूनी तौर पर मुक्त हो जाती थी।
3. यदि स्त्री दास का मालिक उस स्त्री से पैदा हुए पुत्र का पिता हो, तो उस पुत्र को मालिक का पुत्र होने का कानूनी हक मिला था।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- 'अर्थशास्त्र' में कहा गया है कि एक आदमी जन्म से, स्वेच्छा से खुद को बेचकर, युद्ध में कैद होकर, या न्यायिक दंड के परिणामस्वरूप गुलाम/दास हो सकता है। यदि एक दासी ने अपने स्वामी के बच्चे को जन्म दिया, तो वह बंधन से मुक्त की हकदार होती थी; साथ ही, ऐसी गर्भवती दासी को गर्भावस्था की अवधि के दौरान उसकी देखभाल के लिये उचित व्यवस्था किये बिना बेचा या गरिबी नहीं रखा जा सकता था। **अतः कथन 1 और 2 सही हैं।**
- जब किसी दासी द्वारा से अपने स्वामी के बच्चे को जन्म दिया जाता है, तो बच्चा और उसकी माँ दोनों को एक ही बार में स्वतंत्र माना जाएगा। यदि जीविका के लिये माँ को बंधन में रहना है, तो उसके भाई और बहन को मुक्त कर दिया जाएगा। एक बार मुक्त होने के बाद किसी पुरुष या महिला गुलाम के जीवन को बेचने या गरिबी रखने पर 12 पनास के जुर्माने से दंडित किया जाएगा, सविय उन लोगों के जो खुद को गुलाम बनाते हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

51. "जलवायु कार्रवाई ट्रैकर (क्लाइमेट ऐक्शन ट्रैकर)" जो विभिन्न देशों के उत्सर्जन अपचयन के लिए दिए गए वचनों की निगरानी करता है, क्या है?

- (a) अनुसंधान संगठनों के गठबंधन द्वारा निर्मित डेटाबेस
- (b) "जलवायु परिवर्तन के अंतरराष्ट्रीय पैनल" का स्कंध (वर्ग)
- (c) "जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र ढाँचा अभिसमय" के अधीन समिति
- (d) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और विश्व बैंक द्वारा संवर्धन और वित्तपोषण एजेंसी

उत्तर: (A)

व्याख्या:

क्लाइमेट ऐक्शन ट्रैकर (Climate Action Tracker-CAT) एक स्वतंत्र वैज्ञानिक विश्लेषण है जो सरकारी जलवायु कार्रवाई को ट्रैक करता है और इसे पेरिस समझौते के खिलाफ मापता है। यह जलवायु परिवर्तन शमन लक्ष्यों, नीतियों और कार्यों की मात्रा निर्धारित करता है तथा उनका मूल्यांकन करता है। यह MAGICC जलवायु मॉडल का उपयोग करते हुए 21वीं सदी के दौरान संभावित तापमान वृद्धि का निर्धारण करते हुए, वैश्विक स्तर पर देश की कार्रवाई को भी एकत्रित करता है। यह दो संगठनों, क्लाइमेट एनालिटिक्स और न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट के सहयोग से नीति निर्माताओं को स्वतंत्र विश्लेषण प्रदान करता है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

52. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. “जलवायु समूह (दक्लिाइमेट गुरुुप)” एक अंतर्राष्टरीय गैर-लाभकारी संगठन है जो बड़े नेटवर्क बना कर जलवायु करयिा को प्रेरति करता है और उन्हें चलाता है ।
2. अंतर्राष्टरीय ऊर्जा एजेंसी ने जलवायु समूह की भागीदारी में एक वैश्वकि पहल "EP100" प्रारंभ की ।
3. EP100, ऊर्जा दक्षता में नवप्रवर्तन को प्रेरति करने एवं उत्सर्जन न्यूनीकरण लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रतसिप्रधात्मकता बढ़ाने के लयिि प्रतबिद्ध अग्रणी कंपनयिों को साथ लाता है ।
4. कुछ भारतीय कंपनयिों EP100 की सदस्य हैं ।
5. अंतर्राष्टरीय ऊर्जा एजेंसी “अंडर 2 कोएलशन” का सचविलय है ।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) 1, 2, 4 और 5
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 5
(d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (B)

व्याख्या:

- जलवायु समूह (The Climate Group) 2003 में स्थापति एक अंतर्राष्टरीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो बड़े नेटवर्क को शक्तिप्रदान करते हैं, जलवायु कार्रवाई को प्रेरति करता है और उन्हें तीव्रता से चलाता है ।
- “EP100” जलवायु समूह के नेतृत्व में शुरू की गई एक वैश्वकि पहल है, जो ऊर्जा दक्षता सुधारों को मापने और रिपोर्ट करने के लयिि प्रतबिद्ध 120 से अधिक ऊर्जा स्मार्ट व्यवसायों को एक साथ लाती है ।
- EP100 कंपनयिों नवाचार को प्रेरति करने एवं उत्सर्जन न्यूनीकरण लक्ष्यों को पूरा करते हुए अन्य कंपनयिों को प्रेरणा और सहायता भी प्रदान करती हैं ।
- कुछ भारतीय कंपनयिों जैसे - स्वराज एंजसि लमिडिड, महदिरा एंड महदिरा आदि EP100 की सदस्य हैं ।
- ‘Under 2 Coalition’ पेरसि समझौते के अनुरूप उत्सर्जन को कम करने के लयिि प्रतबिद्ध राज्य और क्षेत्रीय सरकारों का सबसे बड़ा वैश्वकि नेटवर्क है । जलवायु समूह (The Climate Group) Under 2 Coalition का सचविलय है ।

अतः विकल्प (b) सही है ।

स्रोत: The Climate Group Website

53. “यदविर्षावन और उषणकटबिंधीय वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, तो नश्चिति ही आर्द्रभूमयिों इसके गुरदों की तरह काम करती हैं ।” नमिनलखिति में से आर्द्रभूमयिों का कौन-सा एक कार्य उपर्युक्त कथन को सर्वोत्तम रूप से प्रतबिबिति करता है?

- (a) आर्द्रभूमयिों के जल चक्र में सतही अपवाह, अवमृदा अंतःस्रवण और वाष्पन शामिल होते हैं ।
(b) शैवालों से वह पोषक आधार बनता है, जसि पर मत्स्य, पुरुषकवची (करश्टेशआई), मृदुकवची (मोलस्क), पक्षी, सरीसृप और सतनधारी फलते-फूलते हैं ।
(c) आर्द्रभूमयिों अवसाद संतुलन और मृदा स्थरीकरण बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमकि नभित्ती हैं ।
(d) जलीय पादप भारी धातुओं और पोषकों के आधिक्य को अवशोषति कर लेते हैं ।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- आर्द्रभूमि महत्त्वपूर्ण नसियंदक (Filter) हैं। ये अवसाद को टरैप करती हैं, प्रदूषकों को हटाती हैं और जल को शुद्ध करती हैं। आर्द्रभूमियाँ अपरदन को भी नियंत्रित करती हैं। इस प्रकार, आर्द्रभूमि अवसाद संतुलन और मृदा स्थिरीकरण को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अतः विकल्प (c) सही है।

स्रोत : डाउन टू अर्थ

54. WHO के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. PM_{2.5} का 24 घंटा माध्य 15µg/m³ से अधिकि नहीं बढ़ना चाहिए और PM_{2.5} का वार्षकि माध्य 5µg/m³ से अधिकि नहीं बढ़ना चाहिए।
2. कसिी वर्ष में, ओज़ोन प्रदूषण के उच्चतम स्तर प्रतकिल मौसम के दौरान होते हैं।
3. PM₁₀ फेफड़े के अवरोध का वेधन कर रक्त-प्रवाह में प्रवेश कर सकता है।
4. वायु में अत्यधिक ओज़ोन दमा को उत्पन्न कर सकती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) 1, 3 और 4
- (b) केवल 1 और 4
- (c) 2, 3 और 4
- (d) केवल 1 और 2

उत्तर (B)

व्याख्या:

- WHO वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों के तहत PM_{2.5} का 24 माध्य 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिकि नहीं होना चाहिये और पीएम_{2.5} का वार्षकि औसत 5 µg/m³ से अधिकि नहीं होना चाहिये।
- PM₁₀ फेफड़ों में प्रवेश कर सकते हैं, जबकि PM_{2.5} फेफड़ों के अवरोध का वेधन कर रक्त-प्रणाली में प्रवेश कर सकता है।
- ज़मीनी स्तर पर ओज़ोन प्रकाश-रासायनकि धूम्र/फोटोकैमिकल स्मॉग के प्रमुख घटकों में से एक है। धूप के मौसम में ओज़ोन प्रदूषण का स्तर उच्चतम होता है।
- वायु में अत्यधिक ओज़ोन मानव स्वास्थ्य पर एक उल्लेखनीय प्रभाव डाल सकता है। यह साँस लेने में समस्या पैदा कर सकता है, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियों का कारण बन सकता है।

अतः विकल्प (b) सही है।

स्रोत: WHO

55. कभी-कभी समाचारों में उल्लखिति 'गुच्छी' के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

1. यह एक कवक है।
2. यह कुछ हिमालयी वन क्षेत्रों में उगती है।
3. उत्तर-पूरवी भारत के हिमालय की तलहटी में इसकी वाणजियकि रूप से खेती की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 3

(c) 1 और 2

(d) 2 और 3

उत्तर (C)

व्याख्या:

- गुच्छी (Gucchi) मशरूम एस्कोमाइकोटा के परिवार मोरचेलासी में कवक की एक प्रजाति है। ये हलके पीले रंग के होते हैं।
- इसकी खेती व्यावसायिक रूप से नहीं की जा सकती है और ये हमिचल प्रदेश, उत्तरांचल तथा जम्मू-कश्मीर की तलहटी में उगते हैं।

स्रोत : द इंडियन एक्सप्रेस

56. पॉलीएथलीन टेरेफ्थलेट के सन्दर्भ में, जिसका हमारे दैनिक जीवन में बहुत व्यापक उपयोग है, नमिनलखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके तंतुओं को ऊन और कपास के तंतुओं के साथ, उनके गुणधर्मों को प्रबलित करने हेतु, सम्मिश्रित किया जा सकता है।
2. इससे बने पात्रों को किसी भी मादक पेय को रखने के लिए उपयोग किया जा सकता है।
3. इससे बनी बोतलों का पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) कर उनसे अन्य उत्पाद बनाए जा सकते हैं।
4. इससे बनी वस्तुओं का भस्मीकरण द्वारा, बना ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करि, आसानी से नपिटान किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

(a) 1 और 3

(b) 2 और 4

(c) 1 और 4

(d) 2 और 3

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- PET (Polyethylene Terephthalate) पॉलिएस्टर का एक प्रकार है।
- इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों आदिकी पैकेजिंग के लिये प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनर आदि बनाने में होता है।
- इसे खाद्य पैकेजिंग सामग्री के लिये उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह हल्का, गैर-प्रतिक्रियाशील, कफायती है।
- ये प्रायः अन्य फाइबर जैसे रेयान, ऊन और कपास के साथ टिकाऊ-प्रेस मशिनों में उपयोग किये जाते हैं, जो इन तंतुओं के अंतरनहित गुणों को मज़बूत करते हैं, जबकि पड़े की सकिंडन से उबरने की क्षमता में योगदान करते हैं।
- PET का सबसे व्यापक रूप से पुनर्नवीनीकृत किये जाने वाले PET बोतलें और कंटेनर हैं जनिहें आमतौर पर पधिलाया जाता है और फाइबरफलि या कालीन के लिये रेशों/फाइबर के रूप में उपयोग किये जाता है। PET पुनर्नवीनीकरण करने के बाद उसको उस उद्देश्य हेतु पुनः उपयोग किये जा सकता है जिसके लिये उसे बनाया गया था, और PET में पुनः संश्लेषण के लिये बहुलक को उसके पूर्वगामी रासायनिक घटकों में तोड़ने के लिये तरीके तैयार किये गए हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

57. नमिनलखित में से कौन-सा पक्षी नहीं है?

(a) गोल्डन महासीर

(b) इंडियन नाइटजार

(c) स्पूनबलि

(d) व्हाईट आइबसि

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- महसीर शब्द दो शब्दों से मलिकर बना है माही - मछली और शेर - बाघ, इसीलिये इसे मछलियों के बीच बाघ भी कहा जाता है। यह एक बड़ी साइप्रनिडि है और ताज़े जल की स्पोर्ट मछलियों में इसे सबसे कठोर माना जाता है। एक वयस्क गोलडन महसीर के शरीर का रंग पृष्ठ की तरफ सुनहरा होता है और पंख लाल-पीले होते हैं। इसके अलावा बड़े शल्क और मोटे शक्तिशाली हॉटों के साथ अपेक्षाकृत लंबे बार्बल्स (मुंह के सामने संवेदी बाल जैसे अंग) इसकी वशिषता हैं।
- महसीर एक संवेदनशील प्रजाति है जो जिसके लिये जल पर्यावरण में परिवर्तन को सहन करना कठिन होता है। विश्व में मौजूद महसीर की 47 प्रजातियों में से पंद्रह प्रजातियाँ भारत में पाई जाती हैं।

अतः विकल्प (a) सही है।

58. नमिनलखिति में कौन-से, नाइट्रोजन यौगिकीकरण पादप हैं?

1. अल्फाल्फा
2. चौलाई (ऐमरंथ)
3. चना (चकि-पी)
4. तपितिया घास (क्लोवर)
5. कुलफा (पर्सलेन)
6. पालक

नीचे दए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1, 3 और 4
(b) केवल 1, 3, 5 और 6
(c) केवल 2, 4, 5 और 6
(d) 1, 2, 4, 5 और 6

उत्तर:(A)

व्याख्या:

- नाइट्रोजन स्थरीकरण कोई भी प्राकृतिक या औद्योगिक प्रक्रिया है जो नाइट्रोजन (N₂) के मुक्त होने का कारण बनती है।
- नाइट्रोजन हवा में मौजूद एक अपेक्षाकृत अक्रिय गैस है, जो रासायनिक रूप से अन्य तत्वों के साथ मलिकर अधिक प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन यौगिकों जैसे कि अमोनिया, नाइट्रेट्स अथवा नाइट्राइट का निर्माण करती है।
- दो प्रकार के नाइट्रोजन-स्थरीकरण सूक्ष्मजीवों को मान्यता दी जाती है: मुक्त-जीवित (गैर-सहजीवी) बैक्टीरिया, जसमें सायनोबैक्टीरिया (या नील-हरति शैवाल) एनाबेना और नोस्टोकेंड सामान्य जैसे एज़ोटोबैक्टर (*Azotobacter*), बेजरिनकिया (*Beijerinckia*) और क्लोस्ट्रीडियम (*Clostridium*) शामिल हैं; और पारस्परिक (सहजीवी) बैक्टीरिया जैसे राइजोबियम (*Rhizobium*), फलीदार पौधों से जुड़े, और वभिनिन एज़ोस्परिलिम प्रजातियाँ, जो अनाज घास से संबंधित होती हैं।
- उदाहरण: अल्फाल्फा, बीन्स, तपितिया घास (Clovers), मटर, सोयाबीन आदी।

अतः विकल्प (a) सही है।

59. नमिनलखिति स्थतियों में से कसि एक में “जैवशैल प्रोद्योगिकी (बायोराॅक टेक्नोलॉजी)” की बातें होती हैं?

- (a) कषतगिरस्त प्रवाल भतितियों (कोरल रीफ्स) की बहाली

- (b) पादप अवशेषों का प्रयोग कर भवन-नरिमाण सामग्री का विकास
- (c) शेल गैस के अन्वेषण/नषिकर्षण के लिए क्षेत्रों की पहचान करना
- (d) वनों/संरक्षित क्षेत्रों में जंगली पशुओं के लिए लवण-लेहकिएँ (साल्ट लकिस) उपलब्ध कराना

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- बायोरॉक, इस्पात संरचनाओं पर नरिमित समुद्री जल में वलिय खनजिों के वदियुत संचय से बनने वाला पदार्थ है। इन इस्पात संरचनाओं को समुद्र के तल पर उतारा जाता है और सौर पैनलों की सहायता से इनको ऊर्जा प्रदान की जाती है जो समुद्र की सतह पर तैरते रहते हैं।
- यह प्रौद्योगिकी पानी में इलेक्ट्रोड के माध्यम से वदियुत की एक छोटी मात्रा को प्रवाहित करने का काम करती है।
- जब एक धनावेशित एनोड और ऋणावेशित कैथोड को समुद्र के तल पर रखकर उनके बीच वदियुत प्रवाहित की जाती है तो कैल्शियम आयन और कार्बोनेट आयन आपस में संयोजन करते हैं जिससे कैल्शियम कार्बोनेट का नरिमाण होता है, कोरल लार्वा कैल्शियम कार्बोनेट की उपस्थिति में तेज़ी से बढ़ते हैं।

<https://www.drishtiiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/restoration-of-coral-reefs>

60. “मियावाकी पद्धति” किसके लिए वखियात है?

- (a) शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में वाणजियिक कृषिका संवर्धन
- (b) आनुवंशिकित: रूपांतरित पुष्पों का प्रयोग कर उद्यानों का विकास
- (c) शहरी क्षेत्रों में लघु वनों का सृजन
- (d) तटीय क्षेत्रों और समुद्री सतहों पर पवन ऊर्जा का संग्रहण

उत्तर: (C)

व्याख्या:

- मियावाकी पद्धति के प्रणेता जापानी वनस्पति वैज्ञानिक अकीरा मियावाकी (Akira Miyawaki) हैं। इस पद्धति से बहुत कम समय में जंगलों को घने जंगलों में परिवर्तित किया जा सकता है।
- इस योजना ने घरों के आगे अथवा पीछे खाली पड़े स्थान (Backyards) को छोटे बागानों में बदलकर शहरी वनीकरण की अवधारणा में क्रांति ला दी है। इस पद्धति में देशी प्रजातिकाे पौधे एक दूसरे के समीप लगाए जाते हैं, जो कम स्थान घेरने के साथ ही अन्य पौधों की वृद्धि में भी सहायक होते हैं। सघनता की वजह से ये पौधे सूर्य की रौशनी को धरती पर आने से रोकते हैं, जिससे धरती पर खरपतवार नहीं उग पाता है। तीन वर्षों के पश्चात् इन पौधों को देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है।
- पौधे की वृद्धि 10 गुना तेज़ी से होती है जिसके परिणामस्वरूप वृक्षारोपण सामान्य स्थिति से 30 गुना अधिक सघन होता है।
- जंगलों को पारंपरिक वधि से उगने में लगभग 200 से 300 वर्षों का समय लगता है, जबकि मियावाकी पद्धति से उन्हें केवल 20 से 30 वर्षों में ही उगाया जा सकता है।

<https://www.drishtiiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/a-japanese-touch-to-telangana-green-drive>

61. नमिनलखिति पर वचिार कीजयि:

1. आरोग्य सेतु
2. कोवनि
3. डजिलॉकर
4. दीक्षा

उपरयुक्त में से कौन-से, ओपेन सोर्स डजिटल प्लेटफॉर्म पर बनाए गए हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: D

व्याख्या:

- इस **आरोग्य सेतु** की प्रमुख खासियत पारदर्शिता, नजिता तथा सुरक्षा रहा है और भारत की ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर नीतिका तर्ज पर आरोग्य सेतु के सोर्स कोड को अब सार्वजनिक कर दिया गया है।
- **CoWin प्लेटफॉर्म** को ओपन सोर्स बनाया जा रहा है, जो सभी लोगों और देशों के लिये उपलब्ध है।
- **दीक्षा** – स्कूली शिक्षा के लिये डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक पहल है।
 - दीक्षा पोर्टल 5 सितंबर, 2017 को भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा लॉन्च किया गया था। यह एक ओपन सोर्स प्लेटफॉर्म है जो देश भर के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये उपलब्ध है। यह शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के लिये राष्ट्रीय स्तर पर एक सामान्य डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यह शिक्षकों को कक्षा संसाधनों, मूल्यांकन सहायता, समाचार और घोषणाओं, शिक्षक समुदाय आदि में प्रशिक्षण सामग्री तक पहुँच बनाने में सक्षम बनाता है। यह शिक्षक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिये एक मुख्य डिजिटल तंत्र है। यह छात्रों को पाठ्यपुस्तक क्यूआर कोड को स्कैन करके अध्ययन सामग्री तक पहुँच प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। नई शिक्षा नीति (एनईपी) को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर, प्रधान मंत्री ने शिक्षा प्रणाली के परिवर्तन में योगदान देने वाले विभिन्न सुधारों की शुरुआत की। लॉन्च के दौरान पीएम ने यह भी कहा कि दीक्षा पोर्टल जो कि सरकार का ई-लर्निंग पोर्टल है, दीक्षा को सनबर्ड ईडी का उपयोग करके बनाया गया है, जो पूरी तरह कार्यात्मक समाधान बिल्डिंग ब्लॉक है जो एमआईटी लाइसेंस के तहत ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के रूप में उपलब्ध है और सनबर्ड का हिस्सा है, जो "मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड" डिजिटल पब्लिक गुड (DPG) है।
- **डिजिलॉकर** डिजिटल इंडिया के तहत एक महत्त्वपूर्ण पहल है, भारत सरकार के इस प्रमुख कार्यक्रम का उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलना है। कागज रहित शासन के विचार पर लक्ष्य, डिजिलॉकर डिजिटल तरीके से दस्तावेजों और प्रमाणपत्रों को जारी करने और सत्यापन के लिये एक मंच है, इस प्रकार यह भौतिक दस्तावेजों के उपयोग को समाप्त करता है।

अतः विकल्प (d) सही है।

62. वेब 3.0 के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वेब 3.0 प्रौद्योगिकी से व्यक्ति अपने स्वयं के आंकड़ों पर नियंत्रण कर सकते हैं।
2. वेब 3.0 संसार में, ब्लॉकचेन आधारित सामाजिक नेटवर्क हो सकते हैं।
3. वेब 3.0 किसी नगिम द्वारा परिचालित होने की बजाय प्रयोक्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से परिचालित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- वेब 3 की अवधारणा, जिसे वेब 3.0 भी कहा जाता है, का उपयोग इंटरनेट के संभावित अगले चरण का वर्णन करने के लिये किया जाता है और यह वर्ष 2021 में काफी चर्चा में रहा है।
- वेब 3.0 एक विकेंद्रीकृत इंटरनेट है जो **ब्लॉकचेन तकनीक** पर आधारित है यह उपयोग में आने वाले संस्करणों, वेब 1.0 और वेब 2.0 से अलग होगा।
- वेब 3 में उपयोगकर्ताओं के पास प्लेटफॉर्म और **एप्लीकेशन में स्वामित्व हस्तांतरण** होगी जो तकनीकी प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करते हैं।

- ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी कंपनी [एथेरियम \(Ethereum\)](#) के संस्थापक गोविन्द वुड ने वर्ष 2014 में पहली बार वेब 3 शब्द का इस्तेमाल किया था और पछिले कुछ वर्षों में कई अन्य लोगों ने वेब 3 के वचिार को जोड़ा है।

वेब 3.0 का महत्त्व:

- **वर्केंद्रीकृत और नषिपकष इंटरनेट:** वेब 3.0 एक वर्केंद्रीकृत और नषिपकष इंटरनेट प्रदान करेगा, जहाँ उपयोगकर्त्ता अपने स्वयं के डेटा को नयित्तरति कर सकते हैं।
- **यह मध्यस्थों को हटाता है:** ब्लॉकचेन के साथ लेन-देन का समय और स्थान स्थायी रूप से दर्ज किया जाता है।
 - इस प्रकार वेब 3 मध्यस्थ की भूमिका को समाप्त कर सहकर्मी से सहकर्मी (वकिरेता से खरीदार) के मध्य लेन-देन को बढ़ावा देता है। इस अवधारणा को नमिनलखिति प्रकार से बढ़ाया जा सकता है
- **वर्केंद्रीकरण और पारदर्शिता:** वेब 3 वर्केंद्रीकृत स्वायत्त संगठन (DAO) पर केंद्रित है।
 - DAO सभी व्यावसायिक नियमों से संबंधित है एवं किसी भी लेन-देन में शासी नियम किसी को भी देखने के लिये पारदर्शी रूप से उपलब्ध हैं तथा इन नियमों के अनुरूप सॉफ्टवेयर के द्वारा लिखा जाएगा।
 - DAO के साथ प्रमाणित या मान्य करने के लिये केंद्रीय प्राधिकरण की कोई आवश्यकता नहीं है।
- <https://www.drishtiiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/web-3-0>

63. “सॉफ्टवेयर, सेवा के रूप में ”(Software as a Service (SaaS)) के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजिये:

1. SaaS कर्यकर्ता, प्रयोक्ता अन्तरापृष्ठ को अपनी आवश्यकतानुसार नरिधारति कर आंकड़ों के क्षेत्र में बदलाव कर सकते हैं।
2. SaaS प्रयोक्ता, अपनी चल युक्तियों (मोबाइल डविाइसेज़) के माध्यम से अपने आंकड़ों तक पहुँच बना सकते हैं।
3. आउटलुक, हॉटमेल और याहू मेल SaaS के रूप हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- SaaS सॉफ्टवेयर डलिवरी का एक तरीका है जो इंटरनेट कनेक्शन और वेब ब्राउज़र के साथ किसी भी डविाइस से डेटा एक्सेस करने की अनुमति देता है। इस वेब-आधारित मॉडल में, सॉफ्टवेयर वकिरेता सर्वर, डेटाबेस और एप्लिकेशन को बनाने वाले कोड की होस्टिंग और रख-रखाव करते हैं।
- SaaS उपयोग का सामान्य रूप एक वेब-आधारित ईमेल सेवा है जैसे आउटलुक, हॉटमेल या याहू! मेल, इन सेवाओं के साथ आप अपने एकाउंट को इंटरनेट पर प्रायः वेब ब्राउज़र से एक्सेस करते हैं।

64. नमिनलखिति कथनों में कौन-सा एक, जनसंचार-माध्यमों में बहुचर्चति “प्रभाजी कक्षीय बमबारी प्रणाली” के आधारभूत वचिार को सर्वोत्तम रूप से प्रतबिबिति करता है?

- (a) अंतरिक्ष में अतध्वनिक मसिाइल का प्रमोचन, पृथ्वी की तरफ बढ़ते हुए कषुद्रग्रह का सामना कर उसका अंतरिक्ष में ही वसिफोटन कराने के लिये किया जाता है।
- (b) कोई अंतरिक्षयान अनेक कक्षीय गतियों के बाद किसी अन्य ग्रह पर उतरता है।
- (c) कोई मसिाइल पृथ्वी के परति: किसी स्थिर कक्षा में स्थापित किया जाता है और वह पृथ्वी पर किसी लक्ष्य के ऊपर कक्षा को त्यागता है।
- (d) कोई अंतरिक्षयान किसी धूमकेतु के साथ-साथ उसी चाल के चलते हुए उसके पृष्ठ पर एक संपरीक्षति स्थापित करता है।

उत्तर: c

व्याख्या:

- फ्रैक्शनल ऑर्बिटल बॉम्बार्डमेंट सॉल्यूशन (FOBS) वारहेड डेलीवरी सॉल्यूशन है जो अपने लक्ष्य गंतव्य की ओर लो अर्थ ऑर्बिट का उपयोग करता है। लक्ष्य तक पहुँचने से ठीक पहले यह एक प्रतगामी इंजन बर्न से होकर गुजरता है।
- सोवियत संघ ने पहली बार 1960 के दशक में FOBS को परमाणु-हथियार वितरण प्रणाली के रूप में विकसित किया था। यह परमाणु हथियार भेजने के लिये अंतरिक्ष का उपयोग करने वाले पहले सोवियत प्रयासों में से एक था।

65. "क्यूबिट (qubit)" शब्द का उल्लेख निम्नलिखित में कौन-से एक प्रसंग में होता है?

- (a) क्लाउड सेवाएँ
- (b) क्वांटम संगणन
- (c) दृश्य प्रकाश संचार प्रौद्योगिकियाँ
- (d) बेतार संचार प्रौद्योगिकियाँ

उत्तर: B

व्याख्या:

- क्वांटम कंप्यूटर 'क्यूबिट्स' (या क्वांटम बिट्स) में गणना करते हैं। वे क्वांटम यांत्रिकी के गुणों का उपयोग करते हैं। क्वांटम यांत्रिकी वह विज्ञान जो परमाणु पैमाने पर पदार्थ के व्यवहार को नियंत्रित करता है।

66. निम्नलिखित संचार प्रौद्योगिकियों पर वचिार कीजिये:

1. नकिट-परपिथ (क्लोज़-सर्कट) टेलीविज़न
2. रेडियो आवृत्ति अभिनिरिधारण
3. बेतार स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क

उपर्युक्त में कौन-सी लघु-परास युक्तियाँ/प्रौद्योगिकियाँ मानी जाती हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

- शॉर्ट रेंज डिविइस (SRD) ऐसे रेडियो उपकरण हैं जो अन्य रेडियो सेवाओं के साथ व्यवधान (Interference) का कम जोखिम प्रदान करते हैं, क्योंकि उनकी संचार शक्ति और सीमा कम होती है। 'शॉर्ट रेंज डिविइस' कई अलग-अलग प्रकार के वायरलेस उपकरणों पर प्रयोग की जा सकती है, जिनमें शामिल हैं:
 - अभिगम नियंत्रण
 - अलार्म और मूवमेंट डिटिक्टर
 - क्लोज़-सर्कट टेलीविज़न (CCTV)
 - वायरलेस माइक्रोफोन सहित ताररहित ऑडियो उपकरण

- औद्योगिक नयित्करण
- स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क
- चकितिसा प्रत्यारोपण
- मीटरगि डवाइस
- रमिोट कंटरोल
- रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (RFID)
- सड़क परविहन टेलीमैटिक्स
- टेलीमेट्री ।

<https://www.etsi.org/technologies/short-range-devices>

67. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. जैवपरत (बायोफलिम) मानव ऊतकों के भीतर चकितिसकीय अंतरोपो पर बन सकती हैं ।
2. जैवपरत खाद्यपदार्थ और खाद्य प्रसंस्करण सतहों पर बन सकती हैं ।
3. जैवपरत प्रतजिविकि प्रतरिध दर्शा सकती हैं ।

उपरयुक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

- चकितिसा की भाषा में जैवपरत चकितिसकीय अंतरोपो और मानव ऊतक के भीतर सस्टिकि फाइब्रोसिस के रूप में बनते हैं, उद्योग में ये उपकरण की सतह को कवर करते हैं । जैवपरत अपने इनहेबीटेंट को वभिन्न प्रतकिल पर्यावरणीय परस्थितियों (बायोसाइड्स और एंटीबायोटिकि) से बचाते हैं ।
- खाद्य उद्योग के परविश में जैव परत के नरिमाण तेज़ी से हो सकता है । जैवपरत का नरिमाण तीन मुख्य घटकों के बीच परस्पर क्रिया पर नरिभर करता है: जीवाणु कोशिकाएँ, इनके बनने की सतह और आसपास का माध्यम ।
- जैवपरत के भीतर माइक्रोबयिल कोशिकाओं ने प्लवक की कोशिकाओं की तुलना में 10-1000 गुना अधिक एंटीबायोटिकि प्रतरिध प्रदर्शति कयि है ।

<https://onlinelibrary.wiley.com/doi/pdf/10.1002/jppr2002322153>

<https://www.livescience.com/57295-biofilms.html>

68. प्रजैविकि (प्रोबायोटिकि) के सन्दर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. प्रजैविकि, जीवाणु और यीस्ट दोनों के बने होते हैं ।
2. प्रजैविकि में जीव, खाए जाने वाले खाद्य में होते हैं कनितु वे नैसर्गकि रूप से हमारी आहार-नली में नहीं पाए जाते ।
3. प्रजैविकि दुग्ध शर्कराओं के पाचन में सहायक हैं ।

उपरयुक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2

(c) 1 और 3

(d) 2 और 3

उत्तर: c

व्याख्या:

- प्रोबायोटिक्स जीवित लाभकारी बैक्टीरिया और/या यीस्ट का एक संयोजन है जो स्वाभाविक रूप से शरीर के भीतर रहते हैं। बैक्टीरिया को आमतौर पर नकारात्मक दृष्टि से ऐसे जीवों के रूप में देखा जाता है जो आपको बीमार बनाते हैं।
- एसडोफिलिस एक प्रोबायोटिक बैक्टीरिया है जो स्वाभाविक रूप से मानव आंत्र और शरीर के अन्य भागों में उपस्थित होता है। यह बैक्टीरिया पाचन तंत्र को लैक्टोज जैसी शर्करा को लैक्टिक एसडि में वखंडित करने में मदद करता है। मानव आंत्र में खरबों बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्म जीव उपस्थित होते हैं।
- ऐसे कई तरीके हैं जिनसे मानव प्रोबायोटिक सप्लीमेंट ले सकते हैं। ये कई रूपों में आते हैं, जिनमें खाद्य पदार्थ, पेय, कैप्सूल या गोलीयाँ, पाउडर, तरल पदार्थ शामिल हैं।

अतः कथन 2 और 3 सही है।

<https://www.healthline.com/health/probiotics-and-digestive-health>

69. कोवडि-19 विश्वमहामारी को रोकने के लिए बनाई जा रही वैक्सीनों के प्रसंग में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय सीरम संस्थान ने mRNA प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर कोवशील्ड नामक कोवडि-19 वैक्सीन निर्मित की।
2. सपुतनिक ट वैक्सीन रोगवाहक (वेक्टर) आधारित प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर बनाई गई है।
3. कोवैक्सीन एक नषिकृत रोगजनक आधारित वैक्सीन है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- COVISHIELD वैक्सीन उस प्लेटफॉर्म पर आधारित है जो SARS-CoV-2 स्पाइक (S) ग्लाइकोप्रोटीन को एन्कोडिंग करने वाले एक पुनःसंयोजक, प्रतिकृति-रहित चिपिजी एडेनोवायरस वेक्टर का उपयोग करता है। इसे लगाए जाने के बाद, कोरोनावायरस के हसिसे की आनुवंशिक सामग्री प्रकट होती है जो एक प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया को उत्तेजित करती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सपुतनिक V एक अच्छी तरह से अध्ययन किये गए मानव एडेनोवायरस वेक्टर प्लेटफॉर्म पर आधारित विश्व का पहला पंजीकृत टीका है। इसे 4 अरब लोगों की कुल आबादी वाले 71 देशों में उपयोग के लिये मंजूरी दी गई है। वैक्सीन का नाम पहले सोवियत अंतरिक्ष उपग्रह के नाम पर रखा गया है। 5 दसिंबर, 2020 और 31 मार्च, 2021 के बीच दोनों वैक्सीन घटकों के साथ टीका लगाए गए रूसियों के बीच कोरोनावायरस की घटनाओं के आँकड़ों के विश्लेषण के आधार पर, वैक्सीन की प्रभावकारिता 97.6% है। **अतः कथन 2 सही है।**
- Covaxin एक नषिक्रिय वायरल टीका है। इस वैक्सीन को होल-वरियिन इनएक्टिविटेड वेरो सेल-व्युत्पन्न तकनीक से विकसित किया गया है। उनमें नषिक्रिय वायरस होते हैं, जो किसी व्यक्ति को संक्रमित नहीं कर सकते हैं, लेकिन फरि भी प्रतिक्रिया प्रणाली को सक्रिय वायरस के खिलाफ एक रक्षा तंत्र तैयार करना सखि सकते हैं। **कथन 3 सही है।**

[https://www.who.int/publications/m/item/covaxin-\(bbv152\)-inactivated-covid-19-vaccine](https://www.who.int/publications/m/item/covaxin-(bbv152)-inactivated-covid-19-vaccine)

70. यदि कोई मुख्य सौर तूफान (सौर प्रज्वाल) पृथ्वी पर पहुँचता है, तो पृथ्वी पर नमिनलखिति में कौन-से संभव प्रभाव होंगे?

1. GPS और दक्खिंचालन (नेविगेशन) प्रणालियाँ वफिल हो सकती हैं।
2. वषुिवतीय कषेत्सों में सुनामयिँ आ सकती हैं।
3. बजिली ग्रडि कषतगिरसत हो सकते हैं।
4. पृथ्वी के अधकिंश हसिसे पर तीव्र धरुवीय ज्योतयिँ घटति हो सकती हैं।
5. ग्रह के अधकिंश हसिसे पर दावाग्नयिँ घटति हो सकती हैं।
6. उपग्रहों की ककषाएँ वकिषुबध हो सकती हैं।
7. धरुवीय कषेत्सों के ऊपर से उडते हुए वायुयान का लघुतरंग रेडियो संचार बाधति हो सकता है।

नीचे दए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनए:

- (a) केवल 1, 2, 4 और 5
- (b) केवल 2, 3, 5, 6 और 7
- (c) केवल 1, 3, 4, 6 और 7
- (d) 1, 2, 3, 4, 5, 6 और 7

उत्तर:c

व्याख्या:

- 10 मई, 2022 को सूर्य ने एक मजबूत सौर तूफान/सौर प्रज्वाल उत्सर्जति कयि, जो EDT पर सुबह 9:55 बजे चरम पर था। नासा की सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी, जो लगातार सूर्य की स्थतिकि अवलोकन करती है, ने इस घटना की एक छवि कैचर की। सौर प्रज्वाल ऊर्जा के शक्तिशाली वसिफोट हैं।
- रात के आकाश में अक्सर तूफानों को सुंदर ज्योतके रूप में देखा जा सकता है, लेकिन वे पृथ्वी पर बजिली के ग्रडिँ और नेविगेशन ससि्टम को कषतगिरसत कर सकते हैं।
- सूर्य की सतह से एक वशिल सौर तूफान (सौर प्रज्वाल) उत्पन्न हुआ जसिने एक तीव्र चुंबकीय तूफान उत्पन्न करते हुए, रेडियो तरंगों, दूरसंचार नेटवर्क और बजिली प्रणालयिँ को बाधति कयि।
- वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका से बर्फ के कोर के वशिलेषण के माध्यम से पृथ्वी की बर्फ के भीतर एक अत्यधिक सौर 'सुनामी' के प्रमाण प्राप्त कयि हैं।
- बड़े पैमाने पर प्लाज्मा के भंडारण के बाद एक चुंबकीय बांध बनता है। सौर चक्र के अंत में, यह चुंबकीय बांध टूट सकता है और धरुवों की ओर सुनामी की तरह भारी मात्रा में प्लाज्मा कैस्केडगि मुक्त करता है।

अतः कथन 1, 3, 4, 6 और 7 सही हैं।

<https://www.inverse.com/science/a-recent-uptick-in-solar-storms-has-scientists-worried>

<https://www.wionews.com/science/scientists-find-evidence-of-an-extreme-solar-tsunami-deep-within-earths-ice-448784>

<https://www.drishtias.com/daily-updates/daily-news-analysis/solar-tsunami-can-trigger-the-sunspot-cycle>

71. नमिनलखिति फसलों में कौन-सी एक, मेथेन और नाइट्रस ऑक्साइड दोनों का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मानवोद्भवी स्रोत है?

- (a) कपास
- (b) धान
- (c) गन्ना
- (d) गेहूँ

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- धान, मेथेन और नाइट्रस ऑक्साइड दोनों का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण मानवोद्भवी स्रोत है। वर्तमान में धान का उत्पादन बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है जिसमें संचाई के पानी की कमी और जारी जलवायु परिवर्तन शामिल हैं।
- वर्तमान फसल तकनीकों के संशोधन से उपज में वृद्धि हो सकती है तथा पानी की बचत हो सकती है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी कम किया जा सकता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

72. कृषि की “धान गहनता प्रणाली” का, जिसमें धान के खेतों का बारी-बारी से क्लेदन और शुष्कन किया जाता है, क्या परिणाम होता है?

1. बीज की कम आवश्यकता
2. मेथेन का कम उत्पादन
3. बजिली की कम खपत

नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कृषि की “धान गहनता प्रणाली” का, जिसमें धान के खेतों का बारी-बारी से क्लेदन और शुष्कन किया जाता है, इस पद्धति का मुख्य परिणाम बीज की कम आवश्यकता, मेथेन का कम उत्पादन एवं बजिली की कम खपत है।

अतः विकल्प (d) सही है।

<https://hindi.indiawaterportal.org/content/esaaraai-takanaika-nae-badhaayaa-caavala-kaa-utapaadana/content-type-page/47948>

73. पश्चिम अफ्रीका की नमिनलखिति झीलों में कौन-सी एक, सूखकर मरुस्थल में बदल गई है?

- (a) लेक वक्टोरिया
- (b) लेक फागुबनि
- (c) लेक ओगुटा
- (d) लेक वोल्टा

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन-COP 26 के अनुसार पश्चिम अफ्रीका की लेक फागुबनि (Lake Faguibine) झील सूखकर मरुस्थल में बदल गई है।

अतः विकल्प (c) सही है।

74. दक्षिण भारत की गंडकिोटा घाटी (कैन्यन) नमिनलखिति नदियों में से कसि एक से नर्मति हुई है?

- (a) कावेरी
- (b) मंजरा
- (c) पेन्नार
- (d) तुंगभद्रा

उत्तर: c

व्याख्या:

- गंडकिोटा आंध्र प्रदेश के कडप्पा ज़िले का एक द्वी गौँ है, जसि 'भारत की मत्य घाटी' के रूप में जाना जाता है। दाहिनी ओर पेन्नार नदी से घरि, यह गौँ एरामला पहाड़ियों से होकर नदी के द्वारा बनाई गई शानदार घाटियों के लयि लोकपरयि है। उनके बीच चलने वाली धाराओं के साथ संकरी घाटियों और खड़ी चट्टानी दीवारें बेहद ही खूबसूरत लगती हैं।

75. नमिनलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि:

शखिर	परवत
1. नामचा बरवा	गढ़वाल हमिलय
2. नंदा देवी	कुमाऊँ हमिलय
3. नोकरेक	सकिकमि हमिलय

उपरयुक्त युग्मों में कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

नंदादेवी चोटियों कुमाऊँ हमिलय का एक भाग हैं।

- सतलुज और काली नदियों के बीच स्थति हमिलय के हसिसे को कुमाऊँ हमिलय के नाम से जाना जाता है।
- वृहद् हमिलय का वसितार पश्चमि में नंगा परवत से लेकर पूरव में नामचा बरवा चोटी तक वसितृत है।
- नामचा बरवा परवत श्रेणी तबिबत के अंतरगत आती है।

76. अक्सर समाचारों में सुनाई देने वाला शब्द "लर्विट" मोटे तौर पर नमिनलखिति में से कसि क्षेत्र से संगत है?

- (a) पूरवी भूमध्यसागरीय तट के पास का क्षेत्र

- (b) उत्तरी अफ्रीकी तट के पास का मसिर से मोरक्को तक फैला क्षेत्र
- (c) फारस की खाड़ी और अफ्रीका के शृंग (हॉर्न ऑफ़ अफ्रीका) के पास का क्षेत्र
- (d) भूमध्य सागर के सम्पूर्ण तटवर्ती क्षेत्र

उत्तर. (a)

व्याख्या:

- लिवेंट भूमध्य सागर का पूर्वी तट है, जो लगभग 800 किलोमीटर लंबा और लगभग 150 किलोमीटर चौड़ा है। यह पश्चिम में भूमध्य सागर और पूर्व में अरबो-सीरियाई रेगिस्तान के बीच में फैला हुआ है, जो उत्तर में ओरोन्टिस नदी के मुहाने से लेकर दक्षिण में इस्मस ऑफ़ स्वेज तक फैला हुआ है।

अतः विकल्प (a) सही है।

<https://www.sciencedirect.com/topics/social-sciences/levant>

77. नमिनलखित देशों पर विचार कीजिए:

1. अज़रबैजान
2. करिगज़िस्तान
3. ताजकिस्तान
4. तुर्कमेनिस्तान
5. उज़्बेकिस्तान

उपर्युक्त में से कौनसी सीमाएँ अफगानिस्तान के साथ लगती हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 5
- (b) केवल 1, 2, 3 और 4
- (c) केवल 3, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर. (C)

व्याख्या:

- अफगानिस्तान को मूल रूप से एरियाना या बैक्ट्रिया के रूप में जाना जाता है और फरि खुरासान (उगते सूरज की भूमि) के रूप में जाना जाता है। यह पश्चिम में ईरान और तुर्कमेनिस्तान, उत्तर में उज़्बेकिस्तान, ताजकिस्तान और करिगज़िस्तान, पूर्व और दक्षिण में पाकिस्तान तथा उत्तर-पूर्व में वखान प्रांत चीन द्वारा घेरा हुआ है।
- अफगानिस्तान जिन देशों के साथ सीमा साझा करता है उनमें शामिल हैं: चीन, ईरान, पाकिस्तान, ताजकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान।





अतः विकल्प (c) सही है।

<http://saarc-sdmc.org/afghanistan>

78. भारत के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मोनाज़ाइट दुर्लभ मृदाओं का स्रोत है।
2. मोनाज़ाइट में थोरियम होता है।
3. भारत की समस्त तटवर्ती बालुकाओं में मोनाज़ाइट प्राकृतिक रूप में होता है।
4. भारत में, केवल सरकारी निकाय ही मोनाज़ाइट संसाधित या निर्यात कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 1, 2 और 4
- (c) केवल 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर. (b)

व्याख्या:

- मोनाज़ाइट अयस्क भारत, मेडागास्कर और दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है।
- मोनाज़ाइट दुर्लभ मृदा तत्त्वों थोरियम, लैथेनम और सेरियम का एक महत्वपूर्ण अयस्क है।

मोनाज़ाइट के राज्यवार स्रोत:-

राज्य	मोनाज़ाइट (मिलियन टन)
ओडिशा	2.41
आंध्र प्रदेश	3.72
तमिलनाडु	2.46
केरल	1.90
पश्चिम बंगाल	1.22
झारखंड	0.22
कुल	11.93

- यह भारत के समस्त तटवर्ती क्षेत्रों में नहीं पाया जाता है।
- वर्ष 1933 तक नज्जी कंपनियों को समुद्र तट तट की बालुकाओं में खनजिों का उत्खनन करने की अनुमति नहीं थी। उदारीकरण के बाद, नज्जी कंपनियों को शुरु में गार्नेट और सल्लिमेनाइट की खान में खनन करने की अनुमति दी गई थी और इसके बाद अन्य खनजिों के लिये अनुमति दी गई थी।
 - वर्ष 2016 में पहले के एक संशोधन ने नज्जी कंपनियों को समुद्र तट की रेत के खनन पर रोक लगा दी, जहाँ मोनाजाइट की संकेंद्रण 0.75% से अधिक था।
 - नज्जी फर्मों को मोनाजाइट के परसंस्करण या नरियात से प्रतबिंधति कथिा गया है। यह एक सरकारी एकाधिकार बना हुआ है, जसि परमाणु ऊर्जा वभिाग के दायरे में रखा गया है।

अतः विकल्प (b) सही है।

<https://science.thewire.in/politics/government/centre-bars-private-players-from-mining-beach-sand-minerals/>

79. उत्तरी गोलार्ध में, वर्ष का सबसे लंबा दनि आम तौर पर कब होता है?

- (a) जून महीने का पहला पखवाड़ा
- (b) जून महीने का दूसरा पखवाड़ा
- (c) जुलाई महीने का पहला पखवाड़ा
- (d) जुलाई महीने का दूसरा पखवाड़ा

उत्तर. (b.)

- उत्तरी गोलार्ध में '(21 जून)' यानी जून महीने का दूसरा पखवाड़ा साल का सबसे लंबा दनि होता है।

अतः विकल्प (b) सही है।

<https://www.drishtias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/the-tilt-or-why-thursday-had-longer-daylight-hours-than-any-other-day>

80. नमिनलखिति युगमों पर वचिार कीजयि:

आरद्रभूमि/झील	अवस्थान
1. होकेरा आरद्रभूमि	पंजाब
2. रेणुका आरद्रभूमि	हमिचल प्रदेश
3. रुद्रसागर झील	त्रपुरा
4. सस्थामकोत्ता झील	तमलिनाडु

उपरयुक्त युगमों में कतिने सही सुमेलति हैं?

- (a) केवल एक युगम
- (b) केवल दो युगम
- (c) केवल तीन युगम
- (a) सभी चारों युगम

उत्तर. (b.)

आरद्रभूमियों/झिलों की सही अवस्थति इस प्रकार है:

आरद्रभूमि/झील	अवस्थिति
1. होकर आरद्रभूमि	जम्मू और कश्मीर
2. रेणुका आरद्रभूमि	हिमाचल प्रदेश
3. रुद्रसागर झील	त्रिपुरा
4. सस्थाम्कोत्ता झील	केरल

अतः विकल्प (b) सही है।

<https://www.drishtias.com/hindi/to-the-points/paper3/wetlands-7>

81. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. एच.एन. सान्याल समति की रिपोर्ट के अनुसरण में, न्यायालय की अमानना अधनियम, 1971 पारति कयि गया था।
2. भारत का संवधान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों को, अपनी अमानना के लिए दंड देने हेतु, शक्ति प्रदान करता है।
3. भारत का संवधान सविलि अमानना और आपराधिक अमानना को परभाषति करता है।
4. भारत में, न्यायालय की अमानना के वषिय में कानून बनाने के लिए संसद में शक्ति निहित है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) 1, 2 और 4
- (c) केवल 3 और 4
- (d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सत्यपाल समति द्वारा तैयार कयि गए 1963 के वधियक का संसद की संयुक्त समति (1969-70) (भारगव समति) द्वारा पुनर्वलोकन कयि गया था। जिसके आधार पर न्यायालय की अमानना अधनियम, 1971 अधनियमति कयि गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- संवधान के अनुच्छेद 129 ने सर्वोच्च न्यायालय को स्वयं की अमानना के लयि दंडति करने की शक्ति प्रदान की। अनुच्छेद 215 ने उच्च न्यायालयों को संबधति शक्ति प्रदान की। **अतः कथन 2 सही है।**
- न्यायालय की अमानना अधनियम, 1971 (Contempt of Court Act, 1971) के अनुसार, न्यायालय की अमानना का अर्थ कसि न्यायालय की गरमि तथा उसके अधिकारों के प्रत अनादर प्रदर्शति करना है। अभवियकत 'अदालत की अमानना' को संवधान द्वारा परभाषति नहीं कयि गया है। हालाँकि, संवधान के अनुच्छेद 129 ने सर्वोच्च न्यायालय को स्वयं की अमानना के लयि दंडति करने की शक्ति प्रदान की। **अतः कथन 3 गलत है।**
- अमानना के लयि दंड देने की शक्ति सर्वोच्च न्यायालय में नहिति एक संवधानिक शक्ति है जसि वधियी अधनियम द्वारा भी कम या समाप्त नहीं कयि जा सकता है। अनुच्छेद 142 (2) में कहा गया है कि "संसद द्वारा इस संबध में बनाए गए कसि भी कानून के प्रावधानों के अधीन" सर्वोच्च न्यायालय के पास अपनी अमानना की सजा पर कोई भी आदेश देने की पूरी शक्ति होगी। **अतः कथन 4 सत्य है।**

82. भारत के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. सरकारी वधि अधिकारी और वधिकि फर्म अधविकता के रूप में मान्यता-प्राप्त हैं, कनितु कॉर्पोरेट वकील और पेटेंट न्यायवादी अधविकता की मान्यता से बाहर रखे गए हैं।
2. वधिजि परषिदों (बार कौंसिलों) को वधिकि शक्ति और वधि महावदियालयों की मान्यता के बारे में नयिम अधकथति करने की शक्ति है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1

- (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सरकारी वधिअधिकारी, वधिकि फ़र्म और पेटेंट न्यायवादी अधविकता के रूप में मान्यता प्राप्त हैं, जबकि कॉर्पोरेट वकील अधविकता की मान्यता से बाहर हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- भारतीय वधिजिज़ परषिद, अधविकता अधनियम 1961 की धारा 4 के तहत स्थापति एक वैधानकि नकियाय है जो भारत में वधिकि अभ्यास और वधिकि शकिषा को नयित्त्रति करता है। इसके सदस्य भारतीय वकीलों/अधविकताओं में से चुने जाते हैं और इस प्रकार वे भारतीय वधिजिज़ परषिद का प्रतनिधित्व करते हैं। यह पेशेवर आचरण, शषिटाचार के मानकों को नरिधारति करता है और बार/वधिजिज़ परषिद पर अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्त्र का प्रयोग करता है।
- यह वधिकि शकिषा के लयि मानक भी नरिधारति करता है और उन वशिववदियालयों को मान्यता प्रदान करता है जिनकी वधि की डगिरी छात्त्रों के लयि स्नातक स्तर पर अधविकता के रूप में नामांकन के लयि योग्यता के रूप में काम करेगी। **अतः कथन 2 सही है।**

83. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

- कसिी संवधिान संशोधन वधियक को भारत के राष्ट्रपतकी पूरव सफिरशि की अपेक्षा होती है।
- जब कोई संवधिान संशोधन वधियक भारत के राष्ट्रपतकी समक्ष प्रस्तुत कयिा जाता है, तो भारत के राष्ट्रपतकी लयि यह बाध्यकर है कवि अपनी अनुमतदि दें।
- संवधिान संशोधन वधियक लोक सभा और राज्य सभा दोनों दवारा वशिष बहुमत से पारति होना ही चाहयि और इसके लयि संयुक्त बैठक का कोई उपबंध नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- संवधिान संशोधन वधियक को कसिी मंत्री या गैर सरकारी सदस्य दवारा पुरःस्थापति कयिा जा सकता है और इसके लयि राष्ट्रपतकी पूरव सफिरशि आवश्यक नहीं है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- राष्ट्रपतविधियक को सहमत/अनुमतदिने के लयि बाध्य है। वह न तो वधियक को अपने पास रख सकता है और न ही संसद के पास पुनर्वचिार के लयि भेज सकता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- संवधिान संसोधन वधियक का प्रत्येक सदन में अलग-अलग पारति होना अनविर्य है। दोनों सदनों के बीच असहमतकी स्थति में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का कोई उपबंध नहीं है। **अतः कथन 3 सही है।**

84. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:

- भारत का संवधिान मंत्रयिों को चार श्रेणयिों, अरथात् कैबनिट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री, राज्यमंत्री और उपमंत्री, में वर्गीकृत करता है।
- संघ सरकार में मंत्रयिों की कुल संख्या, प्रधान मंत्री को मलिा कर, लोक सभा के कुल सदस्यों के 15% से अधिक नहीं होनी चाहयि।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या:

- मंत्रपरिषद में मंत्रियों की तीन श्रेणियाँ होती हैं -कैबिनेट मंत्री ,राज्य मंत्री, उपमंत्री। उनके बीच का अंतर है, उनका पदक्रम ,उनका वेतन तथा राजनैतिक महत्त्व। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- “प्रधानमंत्री सहित मंत्रपरिषद के सदस्यों की कुल संख्या, लोकसभा की कुल संख्या की 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी” इस उपबंध का समावेश 91वें संविधान संसोधन विधेयक 2003 द्वारा किया गया था। अतः कथन 2 सही है।

85. नमिनलखिति में कौन-सी लोक सभा की अनन्य शक्ति(याँ) है/हैं?

1. आपात की उद्घोषणा का अनुसमर्थन करना
2. मंत्रपरिषद के वरिद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित करना
3. भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- (a) 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मंत्रपरिषद के वरिद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित करना लोकसभा की अनन्य शक्ति है। जब लोकसभा मंत्रपरिषद के वरिद्ध एक अविश्वास प्रस्ताव पारित करती है तो सभी मंत्रियों (जसिमे राज्य सभा के मंत्री भी शामिल हों) को त्याग पत्र देना पड़ता है। अतः कथन 2 सही है।
- आपात की उद्घोषणा का संकल्प संसद के प्रत्येक सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुमत तथा उपस्थित व मतदान करने वाले सदस्यों के 2/3 बहुमत द्वारा पारित किया जाना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय आपात की घोषणा को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखा जाता है तथा एक महीने के अंदर अनुमोदन न मिलने पर यह प्रवर्तन में नहीं रहती, कति एक बार अनुमोदन मिलने पर छह माह के लिये प्रवर्तन में बनी रह सकती है। परिणामतः आपात की उद्घोषणा का अनुसमर्थन लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों द्वारा किया जाता है। यह लोकसभा की अनन्य शक्ति नहीं है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- राष्ट्रपति पर महाभियोग का प्रस्ताव मूल सदन (Originating House) में वशेष बहुमत (दो-तहाई) द्वारा पारित किया जाना चाहिये। इसके बाद प्रस्ताव को वचिर हेतु दूसरे सदन में भेजा जाता है। दूसरा सदन एक नरीक्षक के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रपति पर लगे आरोपों की जाँच के लिये एक प्रवर समिति का गठन किया जाता है। भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों के अंतर्गत आता है। यह लोकसभा की अनन्य शक्ति नहीं है। अतः कथन 3 सही नहीं है।

86. भारत में दल-बदल वरिधी कानून के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये :

1. यह कानून वनिरिदषिट करता है किकोई नामनरिदषिट वधायक सदन में नयुक्त होने के छह मास के अन्दर कसिी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हो सकता ।
2. यह कानून कोई समयावधनिहीं देता जिसके अन्दर पीठासीन अधिकारी को दल-बदल मामला वनिश्चिति करना होता है ।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- दल-बदल वरिधी कानून के तहत कसिी जनप्रतनिधि को अयोग्य घोषति कथिा जा सकता है यदः
 - एक नरिवाचति सदस्य सवेच्छा से कसिी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है ।
 - कोई नरिदलीय नरिवाचति सदस्य कसिी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है ।
 - कसिी सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के पक्ष के वपिरीत वोट कथिा जाता है ।
 - कोई सदस्य स्वयं को मतदान से अलग रखता है ।
 - छह महीने की समाप्त के बाद कोई मनोनीत सदस्य कसिी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है ।
- अतः कोई भी नामनरिदषिट वधायक सदन में नयुक्त होने के छः माह के भीतर कसिी राजनतिक दल में शामिल हो सकता है परंतु छः माह के उपरांत नहीं । **अतः कथन 1 गलत है ।**
- कानून के अनुसार, सदन के अध्यक्ष के पास सदस्यों को अयोग्य घोषति करने संबंधी नरिणय लेने की शक्ति है ।
- यदः सदन के अध्यक्ष के दल से संबंधति कोई शकियात प्राप्त होती है तो सदन द्वारा चुने गए कसिी अन्य सदस्य को इस संबंध में नरिणय लेने का अधिकार है । अतः यह कानून कोई समयावधनिहीं नरिधारति करता जिसके भीतर पीठासीन अधिकारी को दल-बदल का मामला वनिश्चिति करना होता है । **अतः कथन 2 सही है ।**

87. नमिनलखति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. भारत का महान्यायवादी और भारत का सॉलसिटर जनरल ही सरकार के एकमात्र अधिकारी हैं जनिहें भारत की संसद की बैठकों में भाग लेने की अनुमति है ।
2. भारत के संवधान के अनुसार, भारत का महान्यायवादी अपना त्यागपत्र दे देता है, जब वह सरकार जसिने उसको नयुक्त कथिा था इस्तीफा देती है ।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- संवधान के अनुसार, भारत के महान्यायवादी को वोट देने के अधिकार के बनिा उसे संसद के दोनों सदनों या उनकी संयुक्त बैठक और संसद की कसिी भी समतिकी कार्यवाही में बोलने तथा भाग लेने का अधिकार है, जसिका वह सदस्य नामति कथिा जाता है । वह उन सभी वशिषाधिकारों और उन्मुक्तयों का हकदार होता है जो एक संसद सदस्य को प्राप्त होते हैं । वह सरकारी सेवकों की श्रेणी में नहीं आता है, अतः उसे नजिी कानूनी अभ्यास से वंचति नहीं कथिा जाता है । हालाँकि उसे भारत सरकार के खलिाफ कसिी मामले में सलाह या संक्षपित जानकारी देने का अधिकार नहीं है ।
- भारत का महान्यायवादी (Solicitor General of India) और भारत के अतरिकित महान्यायवादी (Additional Solicitor General) अधिकारिक

जमिंदारियों को पूरा करने में महान्यायवादी की सहायता करते हैं। अतः ऐसा वर्णन नहीं है की भारत का महान्यायवादी भी भारत की संसद की बैठकों में भाग लेता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- महान्यायवादी को हटाने की प्रक्रिया और आधार संविधान में नहीं बताए गए हैं। वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है (राष्ट्रपति द्वारा किसी भी समय हटाया जा सकता है)। अतः भारत का महान्यायवादी सरकार के इस्तीफा देने पर त्यागपत्र नहीं देता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

<https://www.drishtias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/attorney-general-of-india>

88. भारत के न्यायालयों द्वारा जारी रटिों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. किसी प्राइवेट संगठन के वरिद्ध, जब तक कि उसको कोई सार्वजनिक कार्य नहीं सौंपा गया हो, परमादेश (मैंडेमस) नहीं होगा।
2. किसी कंपनी के वरिद्ध, भले ही वह कोई सरकारी कंपनी हो, परमादेश (मैंडेमस) नहीं होगा।
3. कोई भी लोक-प्रवण व्यक्ति (पब्लिक माइंडेड परसन) अधिकार-पृच्छा (क्वो वारंटो) रटि प्राप्त करने हेतु न्यायालय में समावेदन करने के लिए याची (पटिशनर) हो सकता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- परमादेश (मैंडेमस) न्यायालय से एक आदेश के रूप में एक न्यायिक उपाय है। यह किसी प्राधिकरण को वैधानिक प्रावधान के खिलाफ कुछ करने के लिये मजबूर करने के लिये जारी नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के लिये, इसका उपयोग नचिली अदालत में किये गए आवेदनों पर एक वशिष्ट कार्रवाई करने हेतु मजबूर करने के लिये नहीं किया जा सकता है, लेकिन अगर अदालत एक या दूसरे तरीके से शासन करने से इनकार करती है तो अदालत को आदेश देने के लिये एक परमादेश का उपयोग किया जा सकता है।
- अतः किसी प्राइवेट संगठन के वरिद्ध जब तक कि उसको कोई सार्वजनिक कार्य नहीं सौंपा गया हो, परमादेश जारी नहीं होगा। **अतः विकल्प 1 सत्य है।**
- परमादेश किसी भी सरकार, अधीनस्थ न्यायालय, नगिम या सार्वजनिक प्राधिकरण को करने के लिये (या इससे मना करना) कुछ वशिष्ट कार्य जो वह नकिया कानून के तहत करने के लिये बाध्य है (या करने से बचना) और जो सार्वजनिक कर्तव्य की प्रकृति में है और कुछ मामलों में एक वैधानिक कर्तव्य में से एक है। परमादेश में स्पष्ट वर्णन है कि यह किसी सार्वजनिक नगिम / प्राधिकरण (सरकारी कंपनी) के वरिद्ध जारी किया जा सकता है। **अतः विकल्प 2 गलत है।**
- अधिकार पृच्छा का अर्थ 'आप क्या प्राधिकार है?' होता है यह अवैधानिक रूप से किसी सार्वजनिक पद पर आसीन व्यक्ति के वरिद्ध जारी किया जाता है।
 - सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय किसी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक कार्यालय के अवैध हड़पने को रोकने के लिये यह रटि जारी करता है। इस रटि के माध्यम से, अदालत किसी व्यक्ति के सार्वजनिक कार्यालय के दावे की वैधता की जाँच करती है।
 - यह तभी जारी किया जा सकता है जब किसी कानून या संविधान द्वारा सृजित स्थायी स्वरूप का वास्तविक सार्वजनिक कार्यालय शामिल हो।
 - इसे नज्जी या मंत्रसितरीय कार्यालय के खिलाफ जारी नहीं किया जा सकता है।
 - यह रटि पीड़ित व्यक्ति के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को नविवरण की मांग करने का अधिकार देता
 - है। अतः कोई भी लोक-प्रवण व्यक्ति अधिकार पृच्छा रटि प्राप्त करने हेतु न्यायालय में समावेदन करने के लिये याची हो सकता है। **अतः विकल्प 3 सत्य है।**

<https://www.drishtias.com/hindi/paper2/right-to-constitutional-remedy-and-importance>

89. आयुष्मान भारत डिजिटल मशिन के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्राइवेट अस्पतालों और सरकारी अस्पतालों को इसे अवश्य अपनाना चाहिए।
2. चूंकि इसका लक्ष्य स्वास्थ्य की सर्वजनीन व्यापता है, अंततोगत्वा भारत के हर नागरिक को इसका हिस्सा हो जाना चाहिए।
3. यह पूरे देश में नरिबाध रूप से लागू किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

इस मशिन के तहत नागरिक अपना आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता संख्या प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनके डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ा जा सकेगा।

- आयुष्मान भारत देश की एक प्रमुख योजना है, जिससे [सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज \(UHC\)](#) के दृष्टिकोण को प्राप्त करने हेतु [राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017](#) की सफारिश के अनुसार शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य सभी भारतीय नागरिकों को अस्पतालों, बीमा फर्मों और नागरिकों को आवश्यकता पड़ने पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँचने में मदद करने हेतु डिजिटल स्वास्थ्य आईडी प्रदान करना है।
- मशिन के पायलट प्रोजेक्ट की घोषणा प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2020 को लाल काली की प्राचीर से की थी।
- यह पायलट परियोजना छह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चरणबद्ध रूप में लागू की जा रही है।
- इसकी कार्यान्वयन एजेंसी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) होगी।
- यह प्रत्येक नागरिक को प्रदान किया जाएगा जो उनके स्वास्थ्य खाते के रूप में भी काम करेगा। इस स्वास्थ्य खाते में प्रत्येक परीक्षण, प्रत्येक बीमारी, डॉक्टर से अपॉइंटमेंट, ली गई दवाओं और नदिन का वविरण होगा।
- स्वास्थ्य आईडी निःशुल्क व सवैचछिक है। यह स्वास्थ्य डेटा का वविलेषण करने में मदद करेगी और स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर नयोजन, बजट तथा कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगा।

अतः कथन 1, 2 और 3 सही है।

<https://www.drishtias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/ayushman-bharat-digital-mission-1%5D>

90. लोकसभा के उपाध्यक्ष के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर वचिार कीजिये :

1. लोकसभा के कार्य-पद्धति और कार्य-संचालन नयिमों के अनुसार, उपाध्यक्ष का नरिवाचन उस तारीख को होगा जो अध्यक्ष नयित करे।
2. यह आज्ञापक उपबंध है किलोकसभा के उपाध्यक्ष के रूप में कसिसी प्रतयिगी का नरिवाचन या तो मुख्य वपिक्षी दल से, या शासक दल से, होगा।
3. सदन की बैठक की अध्यक्षता करते समय उपाध्यक्ष की शक्ति विसी ही होती है जैसी किलोकसभा की, और उसके वनिरिणयों के वरिद्ध अपील नहीं हो सकती।
4. उपाध्यक्ष की नयिक्तिके बारे में सुस्थापित संसदीय पद्धतयिह है किलिस्ताव अध्यक्ष द्वारा रखा जाता है और प्रधान मंत्री द्वारा वधिवित समरथति होता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 3
- (b) 1, 2 और 3
- (c) केवल 3 और 4
- (d) केवल 2 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- लोकसभा में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के अनुसार, "उपसभापति का चुनाव उस तारीख को होगा जो अध्यक्ष तय कर सकता है। कन्वेंशन के अनुसार, डप्टी स्पीकर का पद भारत में वपिक्षी दल को दिया जाता है। **अतः विकल्प 1 सही है।**
- 10वीं लोकसभा तक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों आमतौर पर सत्ताधारी दल से चुने जाते थे। 11वीं लोकसभा के बाद से यह आम सहमत रिही है कि अध्यक्ष का पद सत्ता पक्ष/गठबंधन को और उपाध्यक्ष का पद मुख्य वपिक्षी दल को दिया जाता है। **अतः विकल्प 2 सही है।**
- वह सदन के अंदर भारत के संविधान के प्रावधानों, लोकसभा की प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों तथा संसदीय मामलों का अंतिम व्याख्याकार होता है। वह इन प्रावधानों की व्याख्या के मामलों में अक्सर ऐसे नरिणय देता है जिनका सदस्यों द्वारा सम्मान किया जाता है और जो प्रकृति में बाध्यकारी होते हैं। अर्थात् उसका नरिणय अंतिम होता है। अनुच्छेद 95 उपाध्यक्ष या अन्य व्यक्ति को अध्यक्ष के पद के कर्तव्यों का पालन करने या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने की शक्ति का प्रावधान प्रदान करता है। अतः उपाध्यक्ष द्वारा सदन की बैठक की अध्यक्षता करते समय उसकी शक्ति ठीक लोकसभा अध्यक्ष के समान होती है और उसके वनरिणयों के वरिद्ध कोई अपील नहीं हो सकती है। **अतः विकल्प 3 सत्य है।**
- उपाध्यक्ष का चुनाव लोकसभा द्वारा ही अपने सदस्यों में से किया जाता है। स्पीकर के चुनाव के बाद डप्टी स्पीकर का भी चुनाव होता है। **अतः विकल्प 4 असत्य है।**

<https://www.drishtiias.com/hindi/paper2/the-office-of-speaker-of-lok-sabha>

<https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/election-of-speaker-and-deputy-speaker>

91. "त्वरति वित्तीय परपत्र (Rapid Financing Instrument)" और "त्वरति ऋण सुवधि (Rapid Credit Facility)", नमिनलखिति में कसि एक के द्वारा उधार दरि जाने के उपबंधों से संबन्धित है?

- (a) एशियाई विकास बैंक
- (b) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- (c) संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम वतित पहल
- (d) वशि्व बैंक

उत्तर: B

व्याख्या:

रैपडि फाइनेंसिंग इंस्ट्रुमेंट (RFI)

- रैपडि फाइनेंसिंग इंस्ट्रुमेंट (RFI) त्वरति वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो भुगतान संतुलन की तत्काल आवश्यकता का सामना करने वाले सभी सदस्य देशों के लिये उपलब्ध है। सदस्य देशों की वविधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये IMF की वित्तीय सहायता को और अधिक लचीला बनाने हेतु RFI को व्यापक सुधार के हसिसे के रूप में बनाया गया था। RFI ने IMF की पछिली आपातकालीन सहायता नीतिको प्रतस्थापति किया है और इसका उपयोग कई तरह की परस्थितियों में किया जा सकता है।

रैपडि क्रेडिट सुवधि (RCF)

- रैपडि क्रेडिट सुवधि (RCF) नमिन आय वाले देशों (LIC) को तत्काल भुगतान संतुलन (BoP) की आवश्यकता प्रदान करती है, जिसमें कोई पूर्व-पोस्ट शर्त नहीं है, जहाँ एक पूरण आर्थिक कार्यक्रम न तो आवश्यक है और न ही व्यवहार्य। RCF की स्थापना एक व्यापक सुधार के हसिसे के रूप में की गई थी ताकि फंड की वित्तीय सहायता को अधिक लचीला बनाया जा सके तथा संकट के समय सहति LIC की वविधि आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर बनाया जा सके।
- RCF के तहत तीन कषेत्र हैं:
 - घरेलू अस्थिरता, आपात स्थिति और नाजुकता जैसे स्रोतों की एक वसितृत शृंखला के कारण तत्काल BoP जरूरतों के लिये एक "नयिमति खड़िकी"
 - अचानक, बहरिजात झटके की वज़ह से तत्काल BoP जरूरतों के लिये एक "बहरिजात शॉक वडिओ" और
 - प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली तत्काल BoP जरूरतों के लिये एक "बड़ी प्राकृतिक आपदा खड़िकी" जहाँ कषत सदस्य के सकल घरेलू उत्पाद के 20% के बराबर या उससे अधिक होने का अनुमान है

स्रोत: IMF

92. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. अंकित प्रभावी वनिमिय दर (Nominal Effective Exchange Rate - NEER) में वृद्धिरुप की मूल्यवृद्धि को दर्शाता है।
2. वास्तविक प्रभावी वनिमिय दर (Real Effective Exchange Rate - REER) में वृद्धिव्यापार प्रतस्पर्धात्मकता में सुधार को दर्शाता है।
3. अन्य देशों में मुद्रास्फीति के सापेक्ष घरेलू मुद्रास्फीति में बढ़ने की प्रवृत्ति NEER और REER के बीच में वर्धमान अपसरण उत्पन्न कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: C

- भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India-RBI) 36 व्यापारिक साझेदार देशों की मुद्राओं के संबंध में रुपए की 'नॉमिनल इफेक्टिवि एक्सचेंज रेट' (Nominal Effective Exchange Rate-NEER) को सारणीबद्ध करता है।
 - यह एक प्रकार का भारत सूचकांक है अर्थात् इसमें उन देशों को अधिक महत्त्व दिया जाता है, जिनके साथ भारत अधिक व्यापार करता है।
 - इस सूचकांक में कमी रुपए के मूल्य में ह्रास को दर्शाती है, जबकि सूचकांक में बढ़ोतरी रुपए के मूल्य में अभिमूल्यन को दर्शाती है।
- RBI द्वारा जारी NEER के अनुसार, बीते कुछ समय में रुपया नवंबर 2018 के पश्चात् से अपने सबसे नचिले स्तर पर पहुँच गया है।
- NEER के अतिरिक्त 'रियल इफेक्टिवि एक्सचेंज रेट' (Real Effective Exchange Rate-REER) भी भारतीय अर्थव्यवस्था में हो रहे परिवर्तनों को मापने के लिये एक महत्त्वपूर्ण मापदंड है।
 - REER के अंतर्गत NEER में शामिल अन्य कारकों के अतिरिक्त विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू मुद्रास्फीति को भी ध्यान में रखा जाता है, जिसके कारण इसका महत्त्व अधिक बढ़ जाता है।
- NEER विदेशी मुद्राओं के संदर्भ में घरेलू मुद्रा के द्विपक्षीय वनिमिय दरों का भारत औसत होता है। जबकि REER मुद्रास्फीति के प्रभावों के लिये समायोजित अन्य प्रमुख मुद्राओं के सापेक्ष घरेलू मुद्रा का भारत औसत है।
- NEER विदेशी मुद्रा बाज़ार के संदर्भ में देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतस्पर्धा का एक संकेतक है।
- REER की गणना NEER में मूल्य परिवर्तन को समायोजित करने के पश्चात् की जाती है। इस प्रकार अर्थशास्त्री NEER की अपेक्षा REER को अधिक महत्त्व देते हैं।
- **NEER = वशिष आहरण अधिकार (SDR) के संदर्भ में घरेलू वनिमिय दर/वशिष आहरण अधिकार (SDR) के संदर्भ में विदेशी वनिमिय दर**
- **REER = NEER × (घरेलू मूल्य सूचकांक/विदेशी मूल्य सूचकांक). अतः कथन 1, और 3 सही हैं।**

<https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/exchange-rate-of-rs>

93. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये :

1. यदि मुद्रास्फीति अत्यधिक है, तो भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) सम्भावित रूप से सरकारी प्रतभूतियाँ खरीद सकता है।
2. यदि रुपए का तेज़ी से मूल्यह्रास हो रहा है, तो RBI बाज़ार में डॉलरों का सम्भावित रूप से विक्रय कर सकता है।
3. यदि USA या यूरोपीय संघ में ब्याज दरें गरिती होती, तो इससे सम्भावित रूप से RBI की डॉलरों की खरीद प्रेरित हो सकती है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिये, भारतीय रिज़र्व बैंक मुद्रा बाज़ार में प्रतभूतियों को बेचता है जो बाज़ार से अतिरिक्त तरलता को अवशोषित करता है।
- जब रुपए का मूल्य तेज़ी से गिरता है तो रिज़र्व बैंक डॉलर की आपूर्ति को बढ़ा देता है। अमेरिका या यूरोपीय संघ जैसे अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में जैसी ही ब्याज दरें गिरती हैं तो उसका प्रभाव भारत जैसे अन्य देशों के बाज़ारों में डॉलर की खरीद पर पड़ता है।

94. “G20 कॉमन फ्रेमवर्क” के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह G20 और उसके साथ पेरिस क्लब द्वारा समर्थित पहल है।
2. यह आधारणीय ऋण वाले निम्न आय देशों को सहायता देने की पहल है।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर:C

व्याख्या:

- DSSI (कॉमन फ्रेमवर्क) से परे ऋण उपचार के लिये सामान्य ढाँचा, पेरिस क्लब के साथ मलिकर G20 द्वारा समर्थित एक पहल है। जिसका उद्देश्य संरचनात्मक तरीके से, कम आय वाले देशों को असंस्थिर (Unsustainable) ऋण के साथ समर्थन करना है।

95. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में, “मुद्रास्फीति-सहलग्न बॉन्ड (Inflation-Indexed Bonds – IIBs)” के क्या लाभ हैं?

1. सरकार IIBs के रूप में अपने ऋणग्रहण पर कूपन दरों को कम कर सकती है।
2. IIBs निवेशकों को मुद्रास्फीति के बारे में अनिश्चितता से सुरक्षा प्रदान करते हैं।
3. IIBs पर प्राप्त ब्याज और साथ ही साथ पूँजीगत लाभ कर-योग्य नहीं होते।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के अनुसार,

- 1997 में जारी CIB ने केवल मूलधन को मुद्रास्फीति-संरक्षण प्रदान किया, न कि ब्याज भुगतान को। जबकि IIB के नए उत्पाद मूलधन और ब्याज भुगतान दोनों को मुद्रास्फीति-सुरक्षा प्रदान करेंगे।

- मुद्रास्फीति के खिलाफ समायोजित मूलधन पर नश्विति कूपन दर का भुगतान करके ब्याज दर को मुद्रास्फीति से सुरक्षा प्रदान की जाएगी तथा सरकार IIB के रूप में अपने ऋण ग्रहण पर कूपन दरों को कम कर सकती है। **अतः कथन 1 और 2 सही हैं।**
- मुद्रास्फीति अनुक्रमति बॉण्ड (आईआईबी) 1997 के दौरान पूंजी अनुक्रमति बॉण्ड (सीआईबी) के नाम पर जारी किये गए थे। तथा आईआईबी का द्वितीयक बाज़ार (बीएसई, एनएसई, और अन्य स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से) में भी कारोबार किया जा सकता है, हालांकि, यदि वे द्वितीयक बाज़ार में बेचे जाते हैं और लाभ कमाया जाता है, तो पूंजीगत लाभ कर का भुगतान करना होता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

96. भारत में कार्य कर रही वदिशी-स्वामतिव की e-वाणजिय फर्मों के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

1. अपने प्लेटफॉर्मों को बाज़ार-स्थान के रूप में प्रस्तुत करने के अतिरिक्त वे स्वयं अपने माल का वकिरय भी कर सकते हैं।
2. वे अपने प्लेटफॉर्मों पर कसि अंश तक बड़े वकिरेताओं को स्वीकार कर सकते हैं, यह सीमति है।

नीचे दएि कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनएि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

e-वाणजिय की नयिमावली के आधार पर,

- बाज़ार-स्थान प्रदान करने वाली ई-कॉमर्स संस्थाएँ इन्वेंट्री यानी बेची जाने वाली वस्तुओं पर स्वामतिव का प्रयोग नहीं करेंगी। इन्वेंट्री पर इस तरह का स्वामतिव व्यवसाय को एक इन्वेंट्री आधारित मॉडल में प्रस्तुत करेगा। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- एक ई-वाणजिय इकाई अपने बाज़ार-स्थान के माध्यम से प्रभावति बकिरी के 25% से अधिक एक वकिरेता को अनुमति नहीं देगी। अतः इसकी सीमा का नरिधारण किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**

97. नमिनलखिति में कौन-कौन-से कार्यकलाप अर्थव्यवस्था में वास्तविक क्षेत्रक (रयिल सेक्टर) का नरिमाण करते हैं?

1. कसिनो को अपनी फसलें काटना
2. कपड़ा मलियों का कचचे कपास को कपड़े में बदलना
3. कसि वाणजियिक बैंक का कसि व्यापारी कंपनी को धनराशि उधार देना
4. कसि कॉर्पोरेट नकिया का वदिश में रुपया-अंकति मूल्य के बॉन्ड जारी करना

नीचे दएि कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनएि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- अर्थव्यवस्था के वास्तविक क्षेत्रकों में उद्यम (गैर-वित्तीय नगिम), घरेलू और गैर-लाभकारी संस्थाएँ शामिल हैं, जो परिवारों की सेवा करती हैं। अतः केवल कथन 1 और 2 सही हैं।

98. भारत के सन्दर्भ में हाल ही में जनसंचार-माध्यमों में अक्सर चर्चित “अप्रत्यक्ष अंतरण” को नमिनलखिति में कौन-सी एक स्थिति सर्वोत्तम रूप से प्रतबिंबित करती है?

- कोई भारतीय कंपनी, जिसने किसी विदेशी उद्यम में निवेश किया हो और अपने निवेश पर मिलने वाले लाभ पर उस बाहरी देश को कर अदा करती हो
- कोई विदेशी कंपनी, जिसने भारत में निवेश किया हो और अपने निवेश से मिलने वाले लाभ पर अपने आधारभूत देश को कर अदा करती हो
- कोई भारतीय कंपनी, जो किसी बाहरी देश में मूलतः संपत्ति खरीदती है और उनका मूल्य बढ़ने पर उन्हें बेच देती है तथा प्राप्तिको भारत में अंतरित कर देती है
- कोई विदेशी कंपनी शेयर अंतरित करती है और ऐसे शेयर भारत में स्थिति परसंपत्तियों से अपना वस्तुगत मूल्य व्युत्पन्न करते हैं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- जन संचार माध्यमों में अक्सर चर्चित शब्द ‘अप्रत्यक्ष हस्तांतरण’ उन स्थितियों को संदर्भित करता है जहाँ विदेशी संस्थाएँ भारत में शेयर या संपत्ति रखती हैं, ऐसी विदेशी संस्थाओं के शेयरों को भारत में अंतरित परसंपत्तियों के प्रत्यक्ष हस्तांतरण के बजाय स्थानांतरित किया जाता है।

अतः विकल्प (d) सर्वाधिक उपयुक्त है।

99. किसी संगठन या कंपनी द्वारा किए गए व्यय के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

1. नई प्रौद्योगिकी प्राप्त करना पूँजीगत व्यय है।
2. ऋण वित्तीयन को पूँजीगत व्यय माना जाता है, जबकि इक्विटी वित्तीयन को राजस्व व्यय माना जाता है।

नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पूँजीगत व्यय (CapEx) एक कंपनी द्वारा संपत्ति, पौधों, भवनों, प्रौद्योगिकी, या उपकरण जैसी भौतिक संपत्तियों को प्राप्त करने, अपग्रेड करने और बनाए रखने के लिये उपयोग की जाने वाली धनराशि है। CapEx का उपयोग अक्सर किसी कंपनी द्वारा नई परियोजनाएँ या निवेश करने के लिये किया जाता है। अतः कथन 1 सही है।
- कथन 2 सही नहीं है, क्योंकि इक्विटी वित्तीयन किसी कंपनी के स्टॉक को नकदी के बदले में बेचकर किसी संगठन की तरलता की ज़रूरतों को पूरा करने के लिये धन जुटाने की एक विधि है, इसलिये इसे पूँजीगत व्यय में माना जाता है।

100. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर विचार कीजिये :

1. घरेलू वित्तीय बचत का एक भाग सरकारी ऋणग्रहण के लिए जाता है।
2. नीलामी में बाज़ार-संबंधित दरों पर जारी दिनांकित प्रतभूतियाँ, आंतरिक ऋण का एक बड़ा घटक होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

सरकारी ऋण स्टेटस पत्र द्वारा, नमिनलखित खंड आंतरिक ऋण के घटकों का विवरण प्रदान करता है।

- बाज़ार ऋण - दिनांकित प्रतभूतियाँ राजकोषीय घाटे के वित्तपोषण के लिये उपयोग किये जाने वाले प्रमुख साधन हैं। वे प्रत्येक वित्तीय वर्ष में क्रमशः अप्रैल-सितंबर और अक्टूबर-मार्च को कवर करने वाले दो छमाही जारी कैलेंडर के अनुसार नीलामी के माध्यम से जारी किये जाते हैं। अतः कथन 2 सही है।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-analysis-2022>

